सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 289 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 1 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

50 'कमजोर' सीटें भाजपा के निशाने पर!

भाजपा के पास जमीन पर उतरने मुद्दे नहीं, इस बार मोदी के चेहरे पर होगा फोकस

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा ने यह मान लिया है कि 90 सीटों में से 40 पर कांग्रेस की स्थिति मजबूत है। ऐसे में पार्टी ने उन 50 सीटों पर फोकस करने का फैसला किया है, जहां या तो कांग्रेस के साथ उसका बराबर का मुकाबला है या फिर कांग्रेस कमजोर है। 2018 में इन सीटों पर हार-जीत का अंतर कम रहा है। दूसरी ओर पार्टी सीएम भूपेश बघेल को घेरने के लिए भी चक्रव्यूह रच रही है। हालांकि भाजपा के पास जमीनी स्तर पर कोई मुद्दे नहीं है, इसलिए उसका पूरा फोकस आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार पर रहने वाला है। क्योंकि पार्टी ने राज्य में किसी एक चेहरे को सामने नहीं किया है, ऐसे में पीएम मोदी का चेहरा दिखाकर वोट कबाड़ने की तैयारी है।

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने एक अंदरूनी सर्वे कराया है। इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, विधानसभा की 50 ऐसी सीटें हैं जहां दोनों पार्टियों के बीच कांटे की टक्कर हो सकती है। इसके मद्देनजर पार्टी ने 5 सूत्रीय फार्मूला तैयार किया है। इसके तहत कार्यकर्ताओं को प्रत्येक घर में पहुंचने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों को देने की भी तैयारी है। राष्ट्रीय नेताओं की रैली व सभाएं भी होंगी। खासकर पीएम मोदी की कई रैलियां होंगी। इन सबके साथ ही ऐसी संस्था या संगठन, जो राज्य या क्षेत्र विशेष में प्रभाव रखते हैं, उन्हें साथ जोड़ने की भी कोशिश होगी। इन सबकी मानिटरिंग शीर्ष नेतृत्व करेगा। गौरतलब है कि जुलाई में प्रदेशभर से भाजपा के अल्पकालीन विस्तारकों को भेजकर सभी 90 विधानसभा सीटों का सर्वे कराया था। इसकी रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपी गई थी। इस रिपोर्ट के बाद अब भाजपा माइक्रो लेवल की रणनीति बनाकर चुनावी तैयारियां कर रही है।

7 से 8 फीसद का अंतर

जानकारों के मुताबिक, भाजपा के सर्वे में वर्तमान में कांग्रेस 40 सीटों पर मजबूत स्थिति में है। बाकी 50 सीटों पर सात से आठ फीसदी का अंतर है। इन सीटों पर ही भाजपा के नेता ज्यादा फोकस कर रहे है। इसलिए प्रदेश संगठन के नेता ज्यादातर कमजोर विधानसभा वाले क्षेत्रों का ही दौरा कर रहे हैं। भाजपा के बड़े नेताओं का मानना है कि चुनाव से एक महीने पहले तक कमजोर सीटों को भी मजबूत स्थिति में ले आएंगे। भाजपा प्रदेश संगठन ने कमजोर सीटों पर बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को वोटर्स के घर-घर जाकर केंद्र सरकार की योजनाएं और राज्य की कांग्रेस सरकार की नाकामी के बारे में बताने का जिम्मा सौंपा गया है। इसकी संभाग प्रभारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

केन्द्रीय नेतृत्व ने संभाला मोर्चा

राज्य में विधानसभा चुनाव किसके नेतृत्व में होगा अभी तक पार्टी ने साफनहीं किया है। वहीं चुनाव के लिए केन्द्रीय नेतृत्व ने मोर्चा संभाल लिया है। कार्यकर्ताओं को मोदी सरकार की विशेष उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। ताकि कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे जानकारी दे सकें। इसका लाभ कैसे मिलेगा इसकी भी जानकारी दें। इसके लिए हर लेवल में मॉनिटरिंग भी की जा रही है। बीजेपी ने जिन 50 विधानसभा सीटों को चुना है उसके लिए केन्द्रीय नेतृत्व लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है। बस्तर इलाके को साधने के लिए हाल ही में पार्टी ने इस इलाके के बड़े चेहरे लता उसेंडी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही पार्टी की योजना है कि इन विधानसभा सीटों पर पार्टी के बड़े नेताओं की रैली और सभा करवाकर माहौल बनाने की कोशिश की जाए।

मॉनिटरिंग सीधे दिल्ली से

छतीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर शीर्ष नेतृत्व भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब तक दो बार प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों और बड़े नेताओं की बैठकें ले चुके हैं। इसके अलावा भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा कराकर माहौल बदले का भी प्रयास किया है। अगस्त में फिर से पीएम मोदी के रायगढ़ और जगदलपुर में सभा कराने की तैयारी की है। फिलहाल तारीख तय नहीं हुई है। पार्टी का फोकस है कि पीएम मोदी की रैली ऐसी सीटों पर कराई जाए, जहां से एक साथ कई विधानसभा सीटों को कवर किया जा सके। चुनाव के लिए अभी करीब तीन महीने का समय है। ऐसे में भाजपा ने अपने मिशन 50 को साधने के लिए कार्यकर्ताओं को बड़ी जिम्मेदारी देने का प्लान बनाया है। बीजेपी कार्यकर्ता आम लोगों के घर-घर जाएंगे। इस दौरान कार्यकर्ता आम जनता को राज्य सरकार की नाकामियों के बारे में बताएंगे।

बन रही है नई चुनावी रिपोर्ट

भाजपा ने अपने स्तर पर 90 विधानसभा सीटों के लिए सर्वे करवाया था। इस सर्वे की रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जा चुकी है। इस रिपोर्ट के आधार पर ही यह तय किया गया था कि प्रदेश में प्रभाव रखने वाले संस्था-संगठनों को भाजपा के साथ जोड़ा जाए। पिछली सर्वे रिपोर्ट के ही आधार पर जमीनी स्तर पर एक और रिपोर्ट फिलहाल तैयार की जा रही है।

खास - खबर

रायपुर की आउटर कालोनियों में पुलिस ने तड़के मारा छापा, अपराधियों में हड़कंप, 100 से ज्यादा निगरानी बदमाश पकड़ाए

रायपुर। राजधानी रायपुर की आउटर कालोनियों में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पुलिस ने मंगलवार सुबह सरप्राइज दबिश दी। टीकरापारा थाना इलाके की बोरिया आरडीए और बीएसपी कालोनियों और देवपुरी हाउसिंग बोर्ड कालोनी समेत ईरानी डेरा और भाटागांव बस स्टैंड समेत डीडी नगर की कई कालोनियों में पुलिस ने छापा मारा। कई स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों समेत थानों के निगरानी बदमाश को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। आईजी रतनलाल डांगी ने शहर में चुनाव के मद्देनजर गुंडे, बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस ने 17 लोकेशनों पर सरप्राइज दबिश दी है। पुलिस की इस सरप्राइज चेकिंग में 6 सीएसपी और 12 थानेदारों के साथ बड़ी संख्या में जवान थे। 6 सीएसपी और 12 थानेदारों के नेतृत्व में टीम ने अलग-अलग इलाकों में सरप्राइज चेकिंग की। बताया जा रहा है कि इस सरप्राइज चेकिंग के तहत सभी थानों में 100 से ज्यादा वारंटी, निगरानी बदमाश समेत आसामाजिक तत्वों की पकड़े गए हैं।

हथियारबंद बदमाशों ने एक्सप्रेस-वे पर आधी रात की लूट, कार सवार तीन लोगों पर किया हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर में आए दिन बदमाशों के हौसले बुलंद होते जा रहे है, यहां बदमाश बेखौफ घूम रहे हैं। ताजा मामला राजधानी के एक्सप्रेस-वे का है, जहां बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने सोमवार की आधी रात कार सवार तीन लोगों से लूट की वारदात को अंजाम दिया है। इस दौरान बदमाशों ने फरसा से हमलाकर कार सवार लोगों को घायल भी कर दिया। हथियारबंद लुटेरे मोबाइल और नगदी से भरा पर्स लेकर फरार हो गए।

यह मामला तेलीबांधा थाना इलाके का है। जानकारी के अनुसार कार से एयरटेल के कर्मचारी प्रांशु गुप्ता, गौरव शर्मा और शुभम शर्मा सोमवार की रात रायपुर आते समय पुरैना एक्सप्रेस-वे के पास शौच के लिए रुके, तभी वहां बाइक सवार बदमाश पहुंच गए और पैसों की मांग करने लगे। कार सवार लोगों ने जब पैसे देने से मना किया तो बदमाशों ने प्रांशु गुप्ता के हाथ, गौरव शर्मा के सिर पर फरसानुमा हथियार से वारकर उन्हें घायल कर दिया। ऐसे में तीनों कर्मचारी कार छोड़कर वहां से भागे और अपनी जान बचाई। इसके बाद बदमाशों ने कार की तलाशी ली तो उसमें रखे नगदी से भरा पर्स और मोबाइल लेकर फरार हो गए। पीड़ितों ने तेलीबांधा थाना में इस घटना की जानकारी दी। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

बेटे ने फावड़े व डंडे से पीटकर की पिता की हत्या, घर के बरामदे में पड़ा मिला शव

■ **बीमार मां को छोड़ दूसरी महिला से शादी करने से था नाराज**

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बड़ी घटना सामने आई है। यहां एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि सुबह 6 बजे की यह घटना है। बेटे ने अपने पिता के सिर पर फावड़े व डंडे से वार किया। पिता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जामुल के सुरडुंग गांव में निवासी दिनेश साहू ने अपने पिता कबीर साहू की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों में पारिवारिक कारणों से विवाद चल रहा था। मंगलवार की सुबह विवाद काफी बढ़ गया और बेटे ने डंडे और फावड़े से सिर पर ताबड़तोड़ हमला किया जिससे पिता की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी बेटा दिनेश साहू एक जगह बैठकर लगातार रो रहा था।

जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और पास पड़ोस के लोगों की मदद से शव को बाहर

निकलवाया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की शुरुआती वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बेटा इस बात से नाराज था कि उसके पिता ने उसकी लकवाग्रस्त और बीमार मां को छोड़कर दूसरी महिला से शादी कर ली। पिता कई साल से दूसरी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा था। मंगलवार की सुबह चाय पीने के दौरान मां के इलाज को लेकर फिर पिता और बेटे के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी दिनेश साहू (32) ने कबीर पर लाठी और फावड़े से कई वार कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से मौके पर उसकी मौत हो गई।

डबरी में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

दुर्ग। शहर के ग्रामीण इलाके के रसमड़ा के पास गनियारी में एक लाश मिली है। लाश डबरी में तैर रही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं इलाके में लाश मिलने से सनसनी फैल गई है।

क्षेत्र में तीन दिन में लाश मिलने का यह दूसरा मामला है। गनियारी के पास में ही रसमड़ा है। जहां सतबहिनिया मंदिर में अधजली लाश मिली थी। यह मामला अभी सुलझा ही नहीं है कि पास के गांव गनियारी में एक और लाश मिल गई है। बहरहाल कई पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है। आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि सतबहिनिया मंदिर के आगे एक तालाब है। जिसके बगल में डबरी है। वह डबरी ज्यादा गहरा नहीं है। इसलिए आशंका है कि उसकी हत्या की गई होगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पटना हाईकोर्ट से जातिगत जनगणना को हरी झंडी

■ **इसे सर्वे की तरह कराने के लिए सरकार को मिली मंजूरी**

पटना। पटना हाईकोर्ट ने सीएम नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है। कोर्ट ने इसे सर्वे की तरह कराने की मंजूरी दे दी है। जल्दी ही बिहार सरकार फिर से जातीय जन-जनगणना शुरू करवाएगी। हालांकि कोर्ट के इस फैसले से याचिकाकर्ता नाखुश हैं। उनका कहना है कि अब वह इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

हाईकोर्ट ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट की दी तारीख के अंदर बिहार में जातीय जनगणना को लेकर उठ रहे सवालों पर सुनवाई कर ली। चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन व जस्टिस पार्थ सार्थी की खंडपीठ ने लगातार पांच दिनों तक (3 जुलाई से लेकर 7 जुलाई तक) याचिकाकर्ता और बिहार सरकार की दलीलें सुनीं। कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना बताने वालों की भी पूरी दलील सुन ली और फिर सरकार के उस दावे का पक्ष भी सुना, जिसके अनुसार यह जाति आधारित सर्वे है।

सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को तीसरी बार बिहार की जाति आधारित जन-गणना के केस को पटना हाईकोर्ट के पास भेजा था। दो बार जनहित के नाम पर याचिका पहुंचने पर सुप्रीम न्यायालय ने इसे हाईकोर्ट का केस बताते हुए वापस किया था। इसके बाद पटना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई और यहां 04 मई को अंतरिम फैसला राज्य सरकार के खिलाफआया। कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाते हुए 04 मई तक जुटाए सभी डाटा को सुरक्षित रखने का आदेश दिया था।

चुनावी मौसम में गोबर पर लट्ठम-लट्ठा

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है और भाजपा विपक्ष में। अब चुनाव करीब आ गए हैं तो लोगों का मनोरंजन भी शुरू हो गया है। ऐसा हर चुनाव में होता है। विपक्ष में बैठे लोग सरकार पर आरोप लगाते हैं और सरकार उनका जवाब देती। पर यह छत्तीसगढ़ है जहां हंसी-ठिठोली जन संस्कृति का हिस्सा है। यहां न तो कोई आरोपों को सीरियसली लेता है और न ही जवाब को। वह तो इसमें भी हास्य ढूंढता है। जनता को खूब दिखा रहा है कि उसके आसपास क्या हो रहा है। इसे समझने के लिए उसे किसी नेता के विचार जानने की जरूरत नहीं है। भूपेश सरकार ने इतनी नई योजनाएं बनाई हैं कि भाजपा के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया है कि वह किसे मुद्दा बनाए। इसलिए बात घूम फिर कर शराब पर आ टिकी थी। शराब का धंधा शुरू से ही गंदा रहा है। गंदा होने के बावजूद भी यह उतना ही जरूरी है जितना आलीशान घर में संडास का होना। शराब किसी सरकार की ईजाद नहीं है बल्कि वह केवल इस धंधे को नियंत्रित करती है। जब लोग चार रुपए की दारू के 40 रुपए देने को तैयार है तो सरकार उसमें अपना हिस्सा क्यों न ले। इस पैसे से जनहित की जो योजनाएं चलती हैं, उससे तो किसी को ऐतराज होता दिखाई नहीं देता। सबको अपनी तनख्वाह बढ़वानी है, सुविधाओं में इजाफा करवाना है। जूनियर डाक्टरों से लेकर संविदा शिक्षा कर्मी तक सभी अपना वेतन-भत्ता बढ़वाने में लगे हैं। इससे शराब का मुद्दा झाग की तरह बैठ गया। अब भाजपा को नया मुद्दा मिला है गोधन-गोठान-गोबर का। भाजपाई पिछले एक महीने से गांवों में जाकर गोठानों को देख रहे हैं और इसमें हुए घोटाले का अंदाजा लगा रहे हैं। इस योजना पर अब तक हुए सरकारी खर्च को घोटाला बता रहे हैं। गोठान की योजना 2020 में शुरु हुई है। यह एक व्यापक सामाजिक आर्थिक परवर्तन से जुड़ी योजना है। रातों-रात इसके सफल हो जाने की उम्मीद करना निहायत बचकानी है। सेहत से जुड़ी हर दूसरी समस्या किसी न किसी रूप में रासायनिक उर्वरकों से जुड़ी है। इससे देश व राज्य का स्वास्थ्य बजट गड़बड़ा रहा है। शहरी क्षेत्रों में उच्च मध्यमवर्ग अब आर्गेनिक के पीछे भाग रहा है। इसके लिए ज्यादा पैसे खर्च कर रहा है। किसान अब भी प्रति एकड़ ज्यादा से ज्यादा क्विंटल के लोभ में उलझा हुआ है। उसे नहीं पता कि इससे आधी उपज भी इसके बराबर दाम में बिक सकती है। वह समझेगा पर इसमें वक्त लगेगा। गोबर खाद की खरीदी बिक्री ऐच्छिक है। किसान बात को समझ जाए तो अपना वर्मी कम्पोस्ट खुद बना ले। सरकार को गोबर खरीदने से भी मुक्ति मिल जाएगी। भाजपा के नारायण चंदेल ने सरकार को गोबर पर घेरने की कोशिश की तो मंत्री अमरजीत भगत ने दो टुक कह दिया कि ऐसी योजनाओं के नतीजे आने में वक्त तो लगता है।

संपादकीय

सुनवाई का स्वागत

देश की शीर्ष अदालत में मणिपुर की सुनवाई स्वागतयोग्य है। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए एक व्यापक तंत्र विकसित करने का आह्वान किया। लगे हाथ अदालत ने यह भी पूछा कि मई से राज्य में ऐसी घटनाओं में कितनी एफआईआर दर्ज हुई है? अच्छी बात यह है कि केंद्र सरकार का रुख भी सकारात्मक है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि अगर शीर्ष अदालत मणिपुर हिंसा की जांच की निगरानी करती है, तो केंद्र सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। निर्मम हिंसा और अपमान का शिकार हुई दो महिलाओं की ओर से दायर याचिका की सुनवाई से लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं। वैसे, अदालत ने 20 जुलाई को ही इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की था। उसने यह भी कहा था कि हिंसा को अंजाम देने के लिए महिलाओं को साधन के रूप में इस्तेमाल करना सांविधानिक लोकतंत्र में बिल्कुल नामंजूर है। वाकई, 4 मई को मणिपुर में जो घटा, उसके खिलाफ कानून-व्यवस्था को ऐसा कड़ा रुख अपनाना चाहिए कि मिसाल बन जाए। सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के तेवर से साफ लगने लगा है कि देश में महिला सुरक्षा के मामले में फिर एक जरूरी पहल होने वाली है।

> “जहां भी महिलाओं के साथ ऐसे जुल्म हो रहे हैं, वहां विशेष प्रयासों की जरूरत है। दोषियों को सजा जल्दी व जरूर मिले, साथ ही, सांविधानिक-सामाजिक-शासकीय ढांचे को महिलाओं के अनुकूल बनाने की भी जरूरत है। शीर्ष अदालत से फिर श्रेष्ठ की आशा है, पर देश के तमाम सामाजिक संगठनों को भी सोचना चाहिए कि मां, बहन, बेटियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए?

यह एक ऐसा मामला है, जिसमें किसी भी प्रकार से अपराधियों को मदद नहीं मिलनी चाहिए। जो अक्षम्य घटा है, उसका कानून सम्मत पटाक्षेप जल्द होना चाहिए। हां, अगर इस मामले की सुनवाई मणिपुर में निष्पक्ष ढंग से नहीं हो सकती, तो किसी अन्य राज्य में सुनवाई कराने में हर्ज नहीं है और इसकी निगरानी स्वयं सर्वोच्च न्यायालय को करनी चाहिए। जांच कोई भी एजेंसी करे, निगरानी शीर्ष अदालत को करनी चाहिए। महिलाओं की ओर से पेश याचिकाकर्ता वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सीबीआई जांच और मुकदमे को असम स्थानांतरित करने का विरोध किया है, तो इस पर गौर करना चाहिए। यह अपराध ऐसा है, जिसे कतई छिपाया नहीं जा सकता। छिपाने या अपराधियों को बचाने की कोई भी कोशिश या साजिश एक बहुत बुरे समाज की रचना करेगी। न्यायालय अगर इस मामले को व्यापकता में देख रहा है, तो प्रशंसा होनी चाहिए। उसे यह ध्यान है कि वायरल वीडियो मामला राज्य में महिलाओं के खिलाफहिंसा की एकमात्र घटना नहीं है। पिछले दिनों एक खबर आई थी कि सात कुकी महिलाओं के साथ ज्यादती हुई है, हालांकि, राज्य सरकार की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अब राज्य सरकार को पूरे आंकड़ों के साथ अदालत को सूचित करना होगा, और यही उचित है।

ऐसी हिंसा से निपटने के लिए क्या किया जाए, इस बारे में विशेषज्ञ सलाह की शुरुआत हो गई है और सर्वोच्च न्यायालय के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी गौर करना चाहिए। अपराध कदापि राजनीति से संबंधित मामला नहीं है और किसी भी अपराध को केवल कानून की नजर से देखना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ अन्याय की चक्की केवल मणिपुर में नहीं चलती। जहां भी महिलाओं के साथ ऐसे जुल्म हो रहे हैं, वहां विशेष प्रयासों की जरूरत है। दोषियों को सजा जल्दी व जरूर मिले, साथ ही, सांविधानिक-सामाजिक-शासकीय ढांचे को महिलाओं के अनुकूल बनाने की भी जरूरत है। शीर्ष अदालत से फिर श्रेष्ठ की आशा है, पर देश के तमाम सामाजिक संगठनों को भी सोचना चाहिए कि मां, बहन, बेटियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए?

संसद में टकराव भी एक राजनीति है

पिछले कई सत्रों से यह देखने को मिल रहा है कि किसी न किसी मसले पर संसद में गतिरोध पैदा होता है और उसके बाद लगातार टकराव चलता रहता है। ऐसा भी लगता है कि दोनों तरफ से गतिरोध दूर करने के प्रयास हो रहे हैं लेकिन गतिरोध दूर नही होता है। पिछले कई सत्रों से यह भी देखने को मिला है कि लगभग सत्र निर्धारित समय से पहले समाप्त हुए हैं। भले एक दिन पहले ही समाप्त हुआ लेकिन सत्र पहले समाप्त हुआ है। संसद सत्र का एक फीचर यह भी हो गया है कि विपक्षी पार्टियां संसद के परिसर में प्रदर्शन करती हैं और सरकार बिना बहस के बिल पास करा लेती है। सवाल है कि ऐसा सहज रूप से हो रहा है या इसके पीछे कोई राजनीति है? ध्यान रहे संसद को बाधित करना भी संसदीय राजनीति का एक तरीका है, यह बात विपक्ष में रहते भाजपा के नेता अरुण जेटली ने कही थी।

हालांकि यह अभी पता नहीं है कि अभी जिस राजनीति के तहत टकराव हो रहा है और हर बार गतिरोध बन रहा है वह विपक्ष की राजनीति का हिस्सा है या सरकार की राजनीति का? पिछले दो तीन सत्र देखें तो इस ट्रेंड का एक अंदाजा लगता है। मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने और उनके साथ यौन हिंसा का वीडियो वायरल हुआ। यह बेहद दुखद और अमानवीय घटना थी, जो चार मई को घटित हुई थी और उसी दिन वीडियो बना था। यह अनायास नहीं था कि वीडियो 19 जुलाई को वायरल हुआ। संभव है कि ज्यादा व्यापक राजनीतिक असर की वजह से वह वीडियो संसद सत्र से पहले जारी किया गया हो। उसका असर साफ दिख रहा है। संसद सत्र की कार्यवाही चार दिन ठप्प रही और अंत परिणति अविश्वास प्रस्ताव में हुई है।

इस साल बजट सत्र से ठीक पहले अडानी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आई। 31 जनवरी से बजट सत्र शुरू होने वाला था और 24 जनवरी को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई, जिसमें अडानी समूह की हजारों करोड़ रुपए की कथित वित्तीय गड़बड़ियों की जानकारी दी गई। संसद सत्र शुरू होने के बाद विपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का इंतजार किया और उसके बाद हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर हंगामा शुरू हो गया। अभिषाषण पर चर्चा में राहुल गांधी ने पूरी तरह से अडानी समूह के ऊपर भाषण दिया। इसके बाद सत्र का समापन राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने और उस पर विवाद के साथ हुआ।

उससे पहले पिछले साल के शीतकालीन सत्र के दौरान अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों की घुसपैठ और भारतीय सेना के जवानों के साथ उनकी झड़प का वीडियो आया। पिछले साल शीतकालीन सत्र गुजरात चुनाव की वजह से थोड़ी देरी से सात दिसंबर को शुरू हुआ था और उसके बाद नौ दिसंबर को भारत-चीन के सैनिकों की हुई झड़प का एक वीडियो सामने आया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में बयान भी दिया पर गतिरोध शुरू हो गया और इस वजह से 29 दिसंबर तक चलने वाला सत्र 23 दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके पीछे जाएंगे तो हर सत्र से पहले इस तरह का कोई मुद्दा आने और गतिरोध चलने का इतिहास मिलेगा। इससे विपक्ष की राजनीति तो चमकती है पर सरकार को यह फायदा होता है कि उसे कोई भी बिल पास कराने में दिक्कत नहीं होती है।

> “विपक्ष के सांसद संसद से लेकर सड़क तक लगातार मणिपुर हिंसा के खिलाफविरोध कर रहे हैं। कहा गया कि मणिपुर में शांति बहाल हो गई है, मगर जमीनी हकीकत यह है कि वहां लोग अब भी राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। चूंकि सही तस्वीर देश के सामने नहीं आ पा रही थी, इसलिए हकीकत की पड़ताल के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया ने निर्णय लिया कि 21 विपक्षी सांसदों का प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर मणिपुर जाएगा। निस्संदेह, मणिपुर में हर हाल में शांति बहाल होनी चाहिए, संपूर्ण विपक्ष का यही मुख्य मकसद है।

मणिपुर में अब और न बढ़े नफरत

हुआ माजी, राज्यसभा सांसद

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के 21 सांसदों ने मणिपुर पहुंचने के बाद अधिक से अधिक शरणार्थी शिविरों में रह रहे लोगों से सीधे मुखातिब होने के लिए दो टीम में बंटकर अपने काम को अंजाम दिया है। सदस्यों ने मैतेई और कुकी, दोनों समुदायों के शिविरों का जायजा लिया और वे जमीनी हकीकत से रूबरू हुए। मणिपुर में हिंसा अब भी जारी है। दोनों समुदायों के शरणार्थियों से बात करने पर यह बात स्पष्ट हो गई है कि इनमें एक-दूसरे के खिलाफ नफरत व डर की खाई और गहरी हो गई है। चुराचांदपुर, मोइरंग और इंफाल के शिविरों में रह रहे विस्थापितों ने बताया कि मणिपुर में अभी भी गोलियां चल रही हैं। लोगों के घर फूंके जा रहे हैं। बम के गोले फेंके जा रहे हैं। पहाड़ी, घाटी, मैदान हर तरफ हिंसा की आग सुलग रही है।

मणिपुर में दुर्गम पहाड़ों पर पहुंचना आसान नहीं है। ऐसे स्थानों पर हेलीकॉप्टर से ही पहुंच सकते हैं। इन इलाकों का मंजर तो और भी भयावह है। मैतेई व कुकी अपने-अपने इलाके का सीमांकन करके नहीं रहते हैं। एक ही जगह दोनों ही समुदायों की आबादी बसती है। सुदूर पहाड़ों के ऐसे जाने कितने गांव हैं, जहां लोगों का पहुंचना बहुत मुश्किल है। इन इलाकों में दोनों समुदाय के लोग अब भी एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं। हालात इस कदर बेकाबू हो गए हैं कि यह बता पाना बहुत कठिन हो गया है कि इसके लिए मैतेई और कुकी में से कौन सा समुदाय सीधे तौर पर दोषी है। दोनों ही समुदाय एक-दूसरे को मणिपुर के इतिहास में दर्ज हो चुके इस काले अध्याय के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। हमले की आशंका से पहाड़ों, जंगलों में रह रहे लोग अपने स्वाभाविक जीवन में लौटने को लेकर बेहद चिंतित हैं।

मणिपुर में हिंसा की आग की लपटें इतनी तेजी से फैलीं कि कई लोगों को घर से मात्र अपने तन के कपड़ों में ही भागना पड़ा। करीब तीन महीने से कैंपों में घुटन भरी जिंदगी जी रहे लोग अपने भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं। शिविरों तक खाद्य सामग्री पहुंचाना जंग जीतने जैसा हो गया है। खाद्य सामग्री से भरे वाहनों को रास्ते में रोका और लूटा जा रहा है। कैंप में लोगों के पास खाना पहुंचा पाना प्रशासन के बूते की बात नहीं रह गई है। जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री भी ठीक से नहीं मिल पा रही। शरणार्थी शिविरों के एक-एक कमरे में कई-कई लोग रहने को मजबूर हैं। खासकर महिलाओं की स्थिति बदतर है। उनकी निजता का ख्याल बिल्कुल नहीं रखा जा रहा है। ऐसे परिवेश में गर्भवती महिलाएं दर्दनाक प्रसव के लिए मजबूर हैं। मानसून के इस मौसम में बीमारी तेजी से फैल रही है। किसी एक के बीमार होने पर पूरे कैंप के लोग, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे संक्रमित हो जा रहे हैं। डॉक्टर और दवा का मिलना तो जैसे किस्मत की बात हो गई है।

राज्य की मशीनरी पूरी तरह विफल नजर आ रही है। हमने उस महिला से भी बात की, जिसकी पुत्रवधू के साथ बलात्कार हुआ। लोग चर्चा कर रहे थे, कारगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले एक सूबेदार ने कहा, उन्होंने देश की रक्षा तो की, पर अपनी पत्नी की रक्षा नहीं कर सके। मैतेई समुदाय के लोग मणिपुर के हालात के लिए शर्मिंदा तो हैं, पर वे इसके लिए कुकी समुदाय को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। हिंसा प्रभावित लोगों को स्कूल-कॉलेजों में रखा गया है। ऐसे कई स्कूलों में खासकर शौचालयों की कमी और पानी की किल्लत से लोगों का जीना मुहाल है। इंफाल में मेडिकल और नर्सिंग के कई छात्र-छात्राओं ने सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के सामने हाथों में तख्ती लिए प्रदर्शन किया। पढ़ाई बंद होने के कारण उन्हें अपने भविष्य की चिंता सता रही है। मणिपुर के तमाम शिक्षण संस्थानों में यह चिंता देखी जा रही है।

दूसरी तरफ, शरणार्थी बने कई लोग सरकार की ओर से जल्द हालात सामान्य होने की बात सुन-सुनकर थक गए हैं। ऐसे लोगों की संख्या भी बहुत है, जो साफ तौर पर कह रहे हैं कि हमें सरकार से कुछ नहीं चाहिए, बस अपने खेतों में काम करने की आजादी और सुरक्षा मिल जाए। कुछ लोग ऐसे भी मिले, जो अपने आसपास पुलिस व सुरक्षा बलों को देखना नहीं चाहते हैं। लोग भूल नहीं पा रहे हैं कि महिलाओं के साथ दरिंदगी पुलिस के सामने हुई।

मणिपुर की राज्यपाल खुद कह रही थीं कि सर्वदलीय बैठक करके शांति बहाली के लिए कोई रास्ता निकाला जाए। वहां लोगों को उम्मीद है कि मणिपुर में शांति बहाल होगी और जिंदगी पटरी पर लौटेगी। ऐसे समय में समाज में कुछ अच्छी मिसालें भी सामने आई हैं। 18 वर्ष का एक दृष्टिबाधित लड़का अपनी मां से अलग होकर मुसीबतों से घिर गया था। उस लड़के को लोगों ने ही बड़ी मेहनत से उसकी मां तक पहुंचाया। वह मां अब बेटे को सुरक्षित पाकर बहुत खुश है और कहती है कि बेशक मेरे बेटे को दिखता नहीं है, पर वह प्रतिभावान है। हालांकि, उन्हें चिंता है कि वह अपने बेटे की प्रतिभा को अब कहां निखार सकेंगी? कुछ मामले ऐसे भी सामने आए, जिनमें कुकी ने अपने मैतेई मित्र की रक्षा की और मैतेई ने अपने कुकी दोस्त को हिंसा से बचाया।

जब देश में विपक्षी गठबंधन इंडिया की घोषणा हुई, तब हमारे सामने ट्रेन दुर्घटना, बढ़ती महंगाई, गैर-भाजपा शासित राज्यों में मुख्यमंत्री पर हावी होते राज्यपाल और सबसे अहम मणिपुर हिंसा जैसे कई मुद्दे सामने थे। इसी बीच मणिपुर में महिलाओं के साथ दरिंदगी का वीडियो सामने आ गया। मामला तूल पकड़ गया। इंटरनेट सेवा बंद होने के चलते वस्तुस्थिति से पूरा देश अवगत नहीं हो पा रहा था। अब भी यह समस्या बनी हुई है।

संसद में विपक्षी दलों की लगातार मांग के बावजूद सरकार की ओर से वाजिब जवाब नहीं दिया गया है। विपक्ष के सांसद संसद से लेकर सड़क तक लगातार मणिपुर हिंसा के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। कहा गया कि मणिपुर में शांति बहाल हो गई है, मगर जमीनी हकीकत यह है कि वहां लोग अब भी राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। चूंकि सही तस्वीर देश के सामने नहीं आ पा रही थी, इसलिए हकीकत की पड़ताल के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया ने निर्णय लिया कि 21 विपक्षी सांसदों का प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर मणिपुर जाएगा। निस्संदेह, मणिपुर में हर हाल में शांति बहाल होनी चाहिए, संपूर्ण विपक्ष का यही मुख्य मकसद है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

दक्षिण में दमखम दिखाने के लिए कमर कसती भाजपा

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

भाजपा 2024 के आम चुनाव में दक्षिणी राज्यों से ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की रणनीति में जुट गई है। इसके लिए वह सहयोगी क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करने, पार्टी के प्रमुख पदों पर पदाधिकारियों को बदलने, राज्य-विशेष अभियान शुरू करने और सियासी प्रतिद्वंद्वियों पर हमलावर होकर पसंदीदा नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में दक्षिण से कुल 129 सांसद चुने जाते हैं। इनमें से भाजपा ने 2019 में 29 सीटें जीती थीं। बेशक, एक निर्दलीय सांसद के समर्थन से उसकी संख्या 30 हो जाती है, लेकिन यहां के तमाम राज्यों में उसकी स्थिति एक समान नहीं है। बात अगर आंध्र प्रदेश की करें, तो यहां जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी आज भी सबसे आगे दिख रही है। उसने 2019 में यहां की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर कब्जा किया था। शेष तीन सीटें चंद्रबाबू नायडू की तेलुगुदेशम पार्टी (टीडीपी) के खाते में गई थीं। इस बार टीडीपी बाजी पलटने की पुरजोर कोशिश कर रही है। हालांकि, पिछली बार खाली हाथ रहे दोनों राष्ट्रीय दल, यानी कांग्रेस व भाजपा भी अपनी जगह बनाने की कोशिशों में हैं, मगर उन्हें पर्याप्त सफलता नहीं मिल सकी है।

भाजपा दोनों क्षेत्रीय दलों पर पकड़ बनाना चाह रही होगी, लेकिन यह आसान काम नहीं। ऊपरी तौर पर जगन व नायडू, दोनों भाजपा से गठबंधन करने के इच्छुक दिखते हैं, लेकिन वे सुरक्षित खेल भी खेलना चाहते हैं। उनकी चिंता है कि अल्पसंख्यक व हाशिये पर मौजूद वे लोग उनसे झिटक सकते हैं, जो भाजपा की आक्रामक राजनीति को लेकर सजग रहते हैं। इसीलिए भाजपा ने आगे बढ़कर पवन कल्याण से समझौता किया है, जो तटीय आंध्र प्रदेश की प्रमुख जाति कापू से ताल्लुक रखते हैं। जगन केंद्र सरकार के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करने और दिल्ली प्रशासनिक विधेयक का समर्थन करने पर सहमत तो हो गए हैं, पर हो सकता है कि वह समान नागरिक संहिता का समर्थन न करें। भाजपा ने डी पुरंदेश्वरी को अपना प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जिन्हें कमजोर माना जाता है। पार्टी की मंशा वाईएसआरसीपी को परेशान करने की भी नहीं लग रही।

पड़ोसी राज्य तेलंगाना में माना जा रहा है कि के चंद्रशेखर राव ने उसके साथ एक मौन समझौता कर लिया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने इसका पुरजोर विरोध किया है, लेकिन भाजपा ने बंदी संजय कुमार को राज्य प्रमुख के पद से हटाकर उनकी जगह किशन रेड्डी को नियुक्त करके मामला उलझा दिया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि बंदी को केसीआर का प्रभावी प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा था, जबकि किशन कुछ नरम दिखते हैं। हालांकि, केसीआर की बीआरएस लोकसभा में एनडीए सरकार के खिलाफ अलग से अविश्वास प्रस्ताव ला रही है, पर उसकी असली परीक्षा दिल्ली विधेयक होगी, जहां यह देखा जाएगा कि बीआरएस वोटिंग में हिस्सा लेती है या नहीं। बहरहाल, राज्य में केसीआर के बाद भाजपा को ही प्रमुख माना जा रहा है। 2019 में यहां से भाजपा को चार सीटें मिली थीं, लेकिन 2024 में वह इसे बरकरार रख पाएगी या नहीं, इसका जवाब अभी ठीक-ठीक नहीं दिया जा सकता। जहां तक कर्नाटक की बात है, तो भाजपा अब भी विधानसभा चुनावों में मिले गम को सहला रही है। 2019 में उसे यहां से 25 सीटें मिली थीं, और बाद में उसने एक और सीट जीती। मगर अभी यहां प्रदेश अध्यक्ष पर फैसला बाकी है। राज्य विधानसभा में भी पार्टी विपक्ष का नेता चुनने में विफल रही है। जद (एस) के साथ समझौते को लेकर भी उसमें उलझन है।

केरल में वामपंथी शासन के खिलाफ भाजपा अभी तक ठोस रणनीति नहीं बना सकी है। ऐसा माना जाता था कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भाजपा की स्थानीय इकाई के मुकाबले राज्य सरकार पर कहीं अधिक हमलावर हैं, मगर अब वह भी नरम पड़ गए हैं। वहीं, तमिलनाडु में राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई द्रमुक सरकार के खिलाफ पुरजोर हमलावर हैं। यहां ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता, जब मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और उनकी सरकार के खिलाफ हमला न बोला जाता हो। हालांकि, 2019 में भाजपा इस राज्य में भी खाली हाथ रही थी। ऐसे में, यहां से भी उसकी संभावना को लेकर साफ-साफ नहीं कहा जा सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सब कुछ नकली और दिखावा

हरिशंकर व्यास

देश की राजनीति और समाज में सब कुछ बदल गया है! सारी चीजें नकली और दिखावे वाली हो गई हैं! दिखावे का दुख है, दिखावे के आंसू हैं, दिखावे का गुस्सा है, दिखावे का प्यार है और यहां तक कि अर्थव्यवस्था के आंकड़े भी दिखावे के हैं, नकली हैं या आधे अधूरे हैं। जिन आंकड़ों को हार्ड फैक्ट कहा जाता है वह भी फैक्ट नहीं होकर नकली है। उपलब्धियों का झूठा बखान है और लोगों का कल्याण कर देने, देश को बदल देने का झूठा आख्यान है। ऐसा नहीं है कि नेता पहले सत्यवादी हरिश्चंद्र होते थे और झूठ की शुरुआत अभी हुई है। लेकिन पहले सच और झूठ का, असली और नकली का एक संतुलित अनुपात होता था। अब वह अनुपात बिगड़ गया है। अब धीरे धीरे सच की मात्रा घटते घटते लुप्त हो गई है। अब सिर्फ झूठ चल रहा है। अब सिर्फ झूठे नैरेटिव हैं, झूठी कहानियां और झूठे दावे हैं।

राज्यसभा में पिछले दिनों कांग्रेस सांसद अमी याज्ञनिक ने पूछ दिया कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार पर महिला व बाल विकास मंत्री कुछ क्यों नहीं बोल रही हैं तो महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी का जो रौद्र रूप दिखा वह हैरान करने वाला था। उनका गुस्सा, उनका चीखना-चिल्लाना सब नकली था, दिखावा था और अभिनय के लंबे प्रयास से साधा हुआ था। वह उतना ही नकली था, जितना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मणिपुर के मसले पर दुख जताना था, जिसे लेकर 'द टेलीग्राफ' अखबार ने घड़ियाली आंसू की हेडिंग बनाई थी। मणिपुर में करीब तीन महीने से हिंसा चल रही है। सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं, हजारों लोग विस्थापित हुए हैं और राहत शिविरों में रह रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं, जैसा कि खुद भाजपा के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री और महिला व बाल विकास मंत्री को इसकी जानकारी मिलती होगी। लेकिन 77 दिन में न प्रधानमंत्री ने एक बार दुख जताया और न महिला व बाल विकास मंत्री का गुस्सा दिखा। दुख और गुस्सा तब दिखा, जब वायरल वीडियो से दुनिया में बदनामी होने लगी और सवाल पूछा जाने लगा।

लेकिन वह दुख और गुस्सा भी कई शर्तों के साथ है। इन सवालों के साथ कि आप बंगाल पर क्यों नहीं बोलते या आप राजस्थान पर क्यों नहीं बोलते या आप तब कहां थे, जब अमुक जगह ऐसी ही घटना हुई थी? सोचें, क्या किसी मानवीय त्रासदी के समय ऐसे सवाल पूछे जा सकते हैं? पर आज हर घटना के बाद यह सवाल पूछा जाता है। पहले किसी भी मानवीय या प्राकृतिक त्रासदी के बाद की प्रतिक्रिया स्वाभाविक होती थी, उस पर स्वाभाविक रूप से चर्चा होती थी और सहज भाव से दुख प्रकट किया जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। अब सब कुछ नकली होता है। इन शर्तों के साथ होता है कि आप मणिपुर पर चर्चा कराना चाहते हैं तो हम उसमें राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल भी जोड़ कर चर्चा कराएंगे। सोचें, क्या लोकतंत्र इस तरह काम करता है कि तुम हमारे शासन वाले राज्य की मानवीय त्रासदी का जिक्र मत करो वरना हम तुमको भी कठघरे में खड़ा करेंगे?

असल में राजनीति में कुछ भी स्वाभाविक रूप से होता नहीं दिख रहा है। संसद में सब कुछ मशीनी अंदाजा में हो रहा है। विपक्ष चाहे कितना भी बड़ा मुद्दा उठाए लेकिन पीठासीन अधिकारी उसे महत्व नहीं देंगे। वे सरकार का मुंह देखते रहते हैं। संवैधानिक और वैधानिक पदों पर बैठे लोगों के पास भी असली ताकत नहीं है। सब एक व्यक्ति की आभासी ताकत से काम करते हुए हैं। मीडिया की संसद कवरेज को सीमित कर दिया गया है। सांसद मीडिया से बात नहीं करते हैं और यहां तक कि आपस में भी खुल कर बात नहीं कर सकते हैं। सब इस डर में हैं कि उन पर नजर रखी जा रही है और कहीं मीडिया या किसी दूसरी पार्टी के सांसद से बात करते देख लिए गए तो मुश्किल हो जाएगी। सत्तारूढ़ दल के सांसदों के हंसते-मुस्कुराते चेहरे संसद में देखने को नहीं मिलते हैं। सब नकली गंभीरता ओढ़े हुए रहते हैं।

और तो और अर्थव्यवस्था और विकास के आंकड़े भी असली नहीं है। सरकार संसद के बाहर कुछ दूसरा आंकड़ा देती है और संसद के अंदर कुछ और कहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी हाल के अपने विदेश दौरे में कहा कि देश में हर साल एक आईआईटी और एक आईआईएम बन रहे हैं, जबकि संसद में एक सवाल के जवाब में सरकार ने कहा कि पिछले पांच साल से कोई आईआईटी या आईआईएम नहीं बना है। पिछले नौ साल में इनकी संख्या जरूर बढ़ गई है लेकिन कहीं इमारत पूरी नहीं है तो कहीं फैकल्टी पूरी नहीं है। दिखावे के लिए हवाईअड्डों के उद्घाटन हो रहे हैं और पहली बारिश में वहां का निर्माण टूट कर गिर रहा है। विश्वस्तरीय हवाईअड्डे बनाए जा रहे हैं और पहली बारिश में वहां नाव चलने की स्थिति पैदा हो जा रही है। डेढ़ महीने बाद दुनिया भर के नेताओं की दिल्ली में मेजबानी करनी है लेकिन जरा सी बारिश में पूरी दिल्ली ठप्प हो जा रही है। दावा विश्वगुरू बनने का है लेकिन राजधानी तक में बेसिक सुविधाएं नहीं हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मुख्यमंत्री को स्काउट गाइड द्वारा स्कार्फभेंट कर किया गया सम्मानित

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्य आयुक्त एवं संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चन्द्राकर के नेतृत्व में आए स्काउट गाइड के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने वर्ल्ड स्कार्फ डे की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री को स्कार्फ भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ से स्काउट गाइड की टीम को विश्व स्काउट जंबूरी दक्षिण कोरिया में सम्मलित होने के लिए राज्य आयुक्त स्काउट एवं अटास इण्डिया छत्तीसगढ़ अध्यक्ष प्रेम प्रकाश शर्मा एवं उपाध्यक्ष जितेन्द्र साखरे को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। स्काउट गाइड के पदाधिकारियों ने बताया कि विश्व स्काउट जंबूरी में विश्व भर के 43000 स्काउट गाइड तथा 15000 स्वयंसेवी शामिल हो रहे है। एसोसियेशन ऑफ टॉप एचीवर स्काउट्स अपने देश में स्काउटिंग में सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त करने वालों का अनौपचारिक वैश्विक संगठन है। अटास, विश्व के 40 देशों में 15000 सदस्यों के साथ सक्रिय है। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष 1 अगस्त को वर्ष 2007 से स्काउट गाइड के द्वारा पूरे विश्व भर में मनाया जाता है। वर्ल्ड स्कार्फ डे, स्काउटिंग के संस्थापक लार्ड बेवन पॉवेल के द्वारा वर्ष 1907 में 1 अगस्त से इंग्लैंड के ब्राउन-सी द्वीप में आयोजित प्रथम कैंप के तिथि को चिरस्थायी बनाने के लिए मनाया जाता है।

मतदाता जागरूकता शिविर में ग्रामीण और विद्यार्थियों ने दिया प्रतीकात्मक वोट

जगदलपुर। मतदाता जागरूकता शिविर में ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन के प्रति जागरूकता के तहत जिला में मोबाइल डेमोन्सट्रेशन वैन के द्वारा ग्रामीणों और विद्यार्थियों को जानकारी दी जा रही है। साथ ही मशीनों द्वारा किस प्रकार कार्य किया जाता है की समझ विकसित करने उनसे प्रतीकात्मक वोट भी दिलवाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदाताओं द्वारा मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित कराने मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मोबाइल डेमोन्सट्रेशन वैन के माध्यम से मतदाताओं को ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन की जानकारी सभी मतदान केन्द्र, हाट बाजार, विद्यालय एवं महाविद्यालय में दी जा रही है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी मतदान केन्द्र को समाहित करते हुए जिले के तीन विधानसभा के लिए मोबाईल डेमोन्सट्रेशन वैन के माध्यम से जागरूकता अभियान किया जा रहा है। वीवीपैट मशीन तथा मतदान केन्द्र में मतदान प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए कलेक्टोरेट एवं सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालयों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना की गई है।

सभी निर्माण एजेंसिया आपस में समन्वय बनाकर करें सड़कों का निर्माणः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बारिश खत्म होने के तुरंत बाद सड़कों की मरम्मत करवाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा है कि आम जनता के सुविधा के लिए सड़कों के अधूरे कार्य, सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य में सड़क निर्माण के कार्य मे लगी सभी एजेंसियों को आपस में सामंजस्य बनाकर तेजी से काम करना है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान रायपुर शहर के चार महत्वपूर्ण कार्यों की भी जानकारी ली। इसमें तेलीबांधा में फ्लाईओवर का निर्माण, शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक सड़क निर्माण, अटल एक्सप्रेस वे से वीआईपी रोड़ निर्माण तथा खारून रिवर फ्रंट के निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने विशेष तौर पर शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक निर्माण तथा भू -अर्जन प्रकरण समेत लगभग 137 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली 510 मीटर लंबी सड़क को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते हुए जल्द ही इसका कार्य शुरू कराने की बात कही है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक लेते तेलीबांधा ओवरब्रिज और एक्सप्रेस वे को वीआईपी रोड से जोड़ने वाले ओवरब्रिज के बारे में भी अधिकारियों से समीक्षा की।

बैठक में लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू, शिक्षा मंत्री रविन्द्र चौबे, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, नगरीय प्रशासन विभाग के विशेष सचिव अयाज भाई तंबोली, सीजीआरआईडीसीएल के प्रबंध संचालक श्री सारांश मित्तर एवं लोक निर्माण विभाग के ईएनसी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समीक्षा करते हुए कहा कि बची हुई सड़कों का निर्माण कार्य जल्दी पूरा होना चाहिए। समीक्षा बैठक में जानकारी देते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सरगुजा क्षेत्र में कुल 332.7 किलोमीटर सड़कों की स्वीकृति प्रदान की गयी थी जिसमें 292.2 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जबकि 40.5 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य अभी शेष है जिसे बारिश के मौसम के बाद जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसी प्रकार रायगढ़ क्षेत्र में भी 155.4 किलोमीटर सड़कों का कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि शेष कार्य भी जल्द पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री से अखिल भारतीय अघरिया समाज के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में अखिल भारतीय अघरिया समाज के प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधि मण्डल ने मुलाकात के दौरान पैता में अघरिया समाज के सामाजिक भवन ''श्रीकृष्ण धाम'' के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा विगत दिवस 01 करोड़ रूपए की सहयोग राशि प्रदाय करने की घोषणा पर उनका आभार जताया।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रतिनिधि मण्डल से चर्चा के दौरान कहा कि अघरिया समाज कृषि व्यवसाय से जुड़ा हुआ और मेहनतकश समाज है। हमारी सरकार कृषक हितैषी है और हमने कृषकों के हित में अनेक कदम उठाए गए है। राज्य में हमारी सरकार के बनते ही धान उत्पादन में वृद्धि और कृषकों की आय में बढ़ोत्तरी के लिए किसानों की ऋण माफी, सिंचाई कर की माफी, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण सहित जैसे-कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके परिणाम स्वरूप आज राज्य में किसान खेती-किसानी के लिए प्रोत्साहित होने लगे है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल यह भी अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ में कृषि के क्षेत्र में पर्याप्त निवेश, कास्त लागत में किसानों को राहत देने तथा फसल उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण योजना 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' खरीफ 2019 से लागू है।

मौसम बदलते ही आंखों की बीमारी शुरू, सावधानी बरतने की सलाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। इन दिनों आंखों का संक्रमण कंजेक्टिवाइटिस बहुत तेजी से फैल रहा है इससे खुद को बचाने के लिए और लोगों को संक्रमित होने से बचाने के लिए सावधानी और सतर्क रहने की जरूरत है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एस.सिंह के निर्देशन व नोडल अधिकारी डॉक्टर तेरस कंवर के मार्गदशन में नेत्र सहायक अधिकारी अमित चौरसिया व मारुति नंदन चक्रधारी के द्वारा ज़िले में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ अंग्रेजी माध्यम नवापारा सूरजपुर व आर.एच.एस मॉर्डन स्कूल लांची में विशेष शिविर आयोजित कर सभी बच्चो का आई चेकअप किया गया।

अभी काफी मात्रा में कंजेक्टिवाइटिस के मरीज इलाज कराने आ चुके हैं। स्कूल में बच्चों को जानकारी देते हुए, उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति कई लोगों को संक्रमित कर सकता है। इस वजह से संक्रमित होने वाले बच्चे, बड़े सभी को भीड़ भाड़ वाले इलाके

में जाने से बचाना चाहिए। लक्षण दिखाई पड़ते ही तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अपने आप को आइसोलेट करें। बच्चे जब तक पूरी तरह से ठीक न हो जाएं तब तक स्कूल न जाएं। संक्रमित बच्चे और बड़े सभी काला चश्मा का प्रयोग करें। इसके लक्षण और कारण - कंजेक्टिवाइटिस आंखों का एक संक्रमण है, जिसे आमतौर पर इसे पिंक आई के नाम से भी जाना जाता है। यह वायरस जनित संक्रामक रोग है। प्रमुख रूप से आंखों का लाल होना, जलन खुजली और आंखों से लगातार आंसू निकलना, पीला स्त्राव बहना, पलके आपस में चिपक जाना, पलक में सूजन होना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

सड़कों पर घुमंतू पशुओं को रोकने किए जा रहे विशेष प्रयास, लगाया जा रहा है टैग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश की सड़कों पर घुमंतू पशुओं के विचरण को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। पशु धन विकास विभाग द्वारा पशुओं को टैग लगाया जा रहा है। पशुओं को रेडियम बेल्ट बांधे जा रहे है। पशु मालिको को समझाईश दी जा रही है कि वे अपने पशुओं को सड़कों पर नही छोड़े। यदि ऐसा पाया जाता है तो ऐसे पशु मालिकों पर अर्थदण्ड की कार्यवाही की जाएगी।

सड़कों पर पशुओं को आने से रोकने और पशुओं के कारण सड़कों पर होने वाले दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के परिपालन में गठित समिति की बैठक मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां

मंत्रालय महानदी भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में सड़कों पर पशुओं को आने से रोकने के लिए की जा रही कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर आने वाले पशुओं के केचमेंट ऐरिया को चिन्हित करें एवं आस-पास के कांजी हाउस, गौशाला और गौठानों में घुमंतू पशुओं को रखने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं करें। मुख्य सचिव ने कहा है जहां भी पशुओं को रखा जाए वहां साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो तथा वह स्थान सूखा हो, गीले जगह पर पशुओं को नही रखा जाए। मुख्य सचिव ने कहा है कि पशुओं के सड़कों पर आने के कारण जो नुकसान हो रहा है इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता लाने को कार्य किए जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए स्थानीय लोगों के सहयोग लिया जाए। यह एक सार्वजनिक हित का कार्य है। जिसमें सभी की सहभागिता जरूरी है।

बैठक में अंतर्विभागीय लीड ऐजेंसी सड़क सुरक्षा के अध्यक्ष श्री संजय शर्मा ने सड़कों पर जानवरों से टकराकर होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में जानकारी दी। मुख्य सचिव ने पुलिस परिवहन विभाग के अधिकारियों से कहा कि देश के अन्य राज्यों में सड़कों पर मवेशी रोकने के लिए किए जा रहे कार्यों का अध्ययन कर जानकारी हासिल करें। बैठक में सड़कों पर पशुओं को छोड़ने वाले पशु मालिकों की सी.सी.टी.व्ही. कैमरे से निगरानी करने और ऐसे पशु मालिकों पर अर्थदंड लगाने के संबंध में भी चर्चा हुई।

कृषि में पारंपरिक ज्ञान के उपयोग से ही संभव है जलवायु परिवर्तन का सामनाः सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के जिले में जलवायु सहनशील कृषि हेतु नवाचार (निकरा) परियोजना संचालित करने वाले 11 कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशालय विस्तार सेवाएं में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मोहन मण्डावी, सदस्य, कृषि संसदीय समिति, भारत सरकार एवं सांसद, कांकेर के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. व्ही.के. सिंह, निदेशक, केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने की। कार्यशाला के मुख्य अतिथि मोहन मण्डावी ने इस अवसर पर जैविक खेती को बढ़ावा देने एवं रसायनों के उपयोग को कम करने हेतु जोर दिया, साथ ही कृषि के क्षेत्र में पारंपरिक ज्ञान का उपयोग अधिक से अधिक करने की आवश्यकता बतलाई। श्री मण्डावी ने कहा कि पहले कृषक अपने पारंपरिक ज्ञान के आधार पर मौसम आधारित खेती करते थे, जिससे सभी कार्य समय पर एवं मौसम की प्रतिकूलता से बचाव के साथ होता था। उन्होंने कृषि एवं संबंधित विषयों पर स्थानीय भाषा में कृषकों को सलाह देने हेतु वैज्ञानिकों को निर्देशित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. व्ही.के. सिंह ने अपने उद्बोधन में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के निकरा परियोजनान्तर्गत अंगीकृत ग्रामों में चल रही गतिविधियों तथा बदलती जलवायु, बढ़ते तापमान एवं अनियमित वर्षा के कारण फसलोत्पादन में कमी, पालतू पशुओं की उत्पादकता में कमी तथा जलवायु परिवर्तन के अन्य दुष्प्रभावों से निपटने की रणनीति की जानकारी दी। अटारी, जबलपुर के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह द्वारा निकरा परियोजना की शुरूआत एवं इसके लाभकारी परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।

छत्तीसगढ़ राज्य में इस परियोजना के अन्तर्गत 3 कृषि विज्ञान केन्द्र दन्तेवाड़ा, भाटापारा एवं बिलासपुर को चिन्हित किये गये हैं। उन्होंने जलवायु सहनशील वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया। डॉ. जे.व्ही.एन.एस. प्रसाद ने निकरा परियोजना के सभी अनुशंसित अवयवों में से जिले की जलवायु के अनुरूप तकनीक का चयन कर कृषकों के खेतों में प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण आयोजित करने का आग्रह किया। वर्षा आधारित खेती में दोफसली रकबा बढ़ाने हेतु उतेरा, जीरो टिलेज कृषि को प्रसारित करने का सुझाव दिया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार डॉ. अजय वर्मा ने समय- समय पर एवं कम लागत में कृषि कार्य सम्पन्न करने हेतु मौसम आधारित कृषि यंत्रीकरण का समुचित उपयोग करने हेतु सुझाव दिये तथा बदलते मौसम के अनुरूप कृषि की तकनीकी का प्रसार करने का आग्रह किया। डॉ. विजय जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहन्दा, दुर्ग ने दुर्ग जिले में निकरा परियोजनान्तर्गत जिले में किये गये विभिन्न कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मध्यप्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र दतिया, झाबुआ, टीकमगढ़, भिण्ड, डिण्डौरी, रतलाम, मुरैना एवं छतरपुर तथा छत्तीसगढ़ के कृषि विज्ञान केन्द्र दुर्ग, महासमुन्द एवं रायगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुखों तथा नोडल अधिकारी ने विगत वर्षों के कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना की प्रस्तुतिकरण दिये, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा आवश्यकतानुसार सुझाव एवं निर्देश दिये गये।

प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचा रहे कार्यकर्ता

महासमुंद। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के मार्गदर्शन में महासमुंद विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रदेश सरकार की योजनाओं व उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचा रहे हैं। इस दौरान आमजनों से योजनाओं को लेकर फीडबैक भी ले रहे हैं। भूपेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में शहर के वार्ड 23 व 24 में विधायक कार्यालय प्रभारी कमल प्रजापति के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनहितैषी योजनाओं का जनसंपर्क किया।

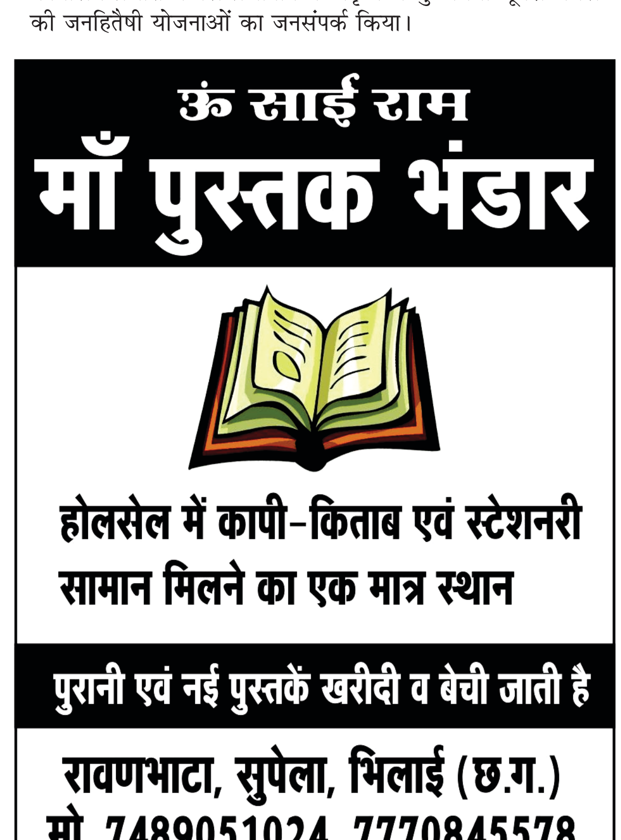

खास खबर...

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कल से

रायपुर। प्रदेश में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का काम 2 अगस्त से शुरू हो रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने इस दिन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा राजधानी रायपुर में वॉकेथान का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने शहर के युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, तृतीय लिंग समुदाय के लोगों, समाज सेवी संस्थाओं तथा शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों सहित सभी नागरिकों से इसमें भाग लेने की अपील की है। वॉकेथान 2 अगस्त को सवेरे सात बजे जी.ई. रोड स्थित गांधी उद्यान चौक से शुरू होकर शहीद स्मारक भवन में समाप्त होगी।

नगर निगम उद्यान में वृक्ष बांटने के साथ-साथ वृक्षों को बचाने का लिया गया संकल्प

रायपुर। नगर निगम उद्यान में आज वृक्ष बांटने के साथ-साथ वृक्षों को बचाने का संकल्प लिया नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे सहित बुढ़ा गार्डन विकास समिति के सदस्यों ने। बुढ़ा गार्डन विकास समिति के सदस्यों ने आज वृहत पैमाने पर नीम एवं फलदार वृक्ष बांटकर रायपुर शहर को ग्रीन सिटी बनाने का संकल्प लिया साथ ही यह भी संकल्प लिया कि वृक्षों को केवल लगाए जाने के अलावा उसके रखरखाव हेतु जिम्मेदारी नवरत्न महेश्वरी दीपक शर्मा सुनील बंसल लोकेश सोनी कमल धनकर मनोज राठी मोहंती जी उमेश माथुर दत्तात्रेय कावड़े हीरेन्द्र यदु उपेंद्र डुकरे संयम अग्रवाल मधुलिका अग्रवाल वर्षा देवांगन संगीता अग्रवाल निलेश गोपवार ,गोलू नायक अर्चना द्विवेदी स्वर्णा ठाकुर अर्चना गोपवार विपिन द्विवेदी सहित अनेक लोगों ने ली । साथ में हर वृक्ष के पीछे दो,,दो लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है ताकि वृक्षों को कोई हानि ना हो।

गौठान में सब्जी, खीरा गौवंश के चारे के रूप में दान किया गया

रायपुर। गौसेवक अशोक पटवा ने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 के तहत छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की लोकप्रिय गौधन न्याय योजना के अन्तर्गत संचालित फुण्डहर गौठान में पहुंचकर वहाँ के गौवंश के चारे के रूप में कुल लगभग 1045 किलो सब्जी लगभग 45 किलो लौकी, लगभग 1000 किलो खीरा दान के रूप में सम्बंधित जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, प्रभारी कार्यपालन अभियन्ता के. के. शर्मा, प्रभारी जोन स्वास्थ्य अधिकारी जयनन्दन डहरिया, स्वच्छता पर्यवेक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में प्रदत्त किया. महापौर एजाज ढेबर ने गौसेवक अशोक पटवा के कार्य को सराहा है एवं सभी गौसेवकों से राजधानी रायपुर शहर में संचालित गौठानों में गौवंश के चारे के रूप में दान देने का एक बार पुन: विनम्र आव्हान किया है।

रविशंकर शुक्ल एवं विद्याचरण शुक्ल की जयन्ती पर पुष्पांजलि का आयोजन

रायपुर। अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल की जयन्ती दिनांक 2 अगस्त 2023 बुधवार को प्रात: 10.30 बजे क्रमश: उनकी प्रतिमा, मूर्ति स्थल के समक्ष पुष्पांजलि आयोजन रखा गया है. पण्डित रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा के समक्ष एवं नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के सामने स्थित नगर पालिक निगम के शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल उद्यान परिसर में स्थित पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल की मूर्ति के समक्ष उन्हें सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

शिक्षा का उपयोग देश सेवा के लिए करें: राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा और ज्ञान सदैव मानवता के विकास के लिए प्राथमिकता रखते हैं। उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा आवश्यक है। विद्यार्थी शिक्षा पूर्ण करने के बाद विभिन्न क्षेत्र में अपना कार्य उत्कृष्टता से करते हुए देश को गौरान्वित करें। समाज के गरीब, शोषित और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करें। सरकार ने इन वर्गो के लिए अनेक योजनाएं बनाई है जिसका लाभ जरूरत मंद तक पहुंचाए।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ के 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं सम्मानित करते हुए यह उद्गार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम एक निजी चैनल द्वारा मेरिट में आने वाले छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रत्येक जिले से प्रथम आने वाले छात्रा को 50 हजार रूपये नगद और प्रदेश में प्रथम आने वाले छात्रा तथा उसके स्कूल को एक-एक लाख रूपये नगद स्कॉलरशिप साथ ही प्रत्येक संभाग में प्रथम आने वाले छात्र को 50 हजार रूपये की स्कॉलरशिप प्रदान की गई सभी विद्यार्थियों को राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, भी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरिचंदन ने मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ उनके परिवार जनों और गुरूजनों को भी बधाई दी, जिनका मार्गदर्शन विद्यार्थियों को उच्च सफलता तक पहुंचने में महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि इस स्कॉलरशिप से विद्यार्थियों को न केवल शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी, बल्कि उनके जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में भी सहायक साबित होगी। युवा वर्ग को समझना और समर्थन करना हमारे समाज का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के सरंक्षण और प्रोत्साहन के लिए इस तरह का कार्यक्रम सतत् होना चाहिए।

श्री हरिचंदन ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा मूलभूत अधिकार है जिसे हम समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। हमे गर्व है कि छत्तीसगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ रहा है। युवा वर्ग अपनी पढ़ाई में सक्रियता, उत्साह और परिश्रम से न केवल राज्य बल्कि पूरे देश का मान बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक कदम उठाये गये है। भारत में लिंगानुपात में समानता लाने और महिलाओं में शिक्षा की प्रसार के उद्देश्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहल पर ''बेटी बचाओ-बेटी पढाओं'' योजना लाई गयी। जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बालिकाओं और महिलाओं की शिक्षा में भागेदारी बढ़ाने के लिए प्रावधान किये गए हैं जिसमें जेन्डर - समावेशी कोष की स्थापना एक नया और क्रांतिकारी कदम है। राज्यपाल ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले रायगढ़ जिले के विकास खण्ड पुसौर की मेधावी छात्रा कुमारी विधि भोसले के साथ-साथ उसके स्कूल अभिनव विद्या मंदिर को भी स्कॉलरशिप प्रदान करने के लिए चैनल की पहल को एक अच्छी परंपरा की शुरूआत बताते हुए कहा कि इससे अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी प्रोत्साहन मिलेगा और वे विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए अधिक प्रयत्न शील होंगे। कार्यक्रम में सरगुजा संभाग की तेजल सिंह, प्रिया रोहरा, मेनका सिंह और तृप्ति साहू, नीलम रत्नाकार, अर्चना कुमारी, श्रृष्टि गुर्जर, को अपने-अपने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । इसी प्रकार बिलासपुर संभाग की आस्था चौधरी, ग्रेसी पोर्ते, तमन्ना पसाइत, श्रेया पाण्डेय, कृति अग्रवाल, सबा परवीन, दीक्षा सोनी, विधि भोसले, दुर्ग संभाग की कृतिका पांडेय, आंचल कसार, महिमा मलेकर, दिव्या साहू, मांडवी चंद्राकर, आशा साहू, महेश्वरी वर्मा, रायपुर संभाग की न्यासा देवांगन, रेशम खत्री, मीनाक्षी साहू, सानिया योगी, माधुरी साहू, रितु बंजारे, बस्तर संभाग की प्रियल देवांगन, दिव्या खूद, गीतांजलि साहू, वंदना सिन्हा, प्रतिज्ञा महतो, आयशा पारेख, ममता देहारी, और ब्लेशी कश्यप को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र राज्यपाल के हाथों प्रदान किया गया। सरगुजा संभाग के टॉपर छात्र देवकुमार देवांगन, बस्तर संभाग के अभिषेक मोंडा, बिलासपुर संभाग विवेक अग्रवाल, दुर्ग संभाग के रितेश कुमार और रायपुर संभाग के कुंदन बियानी को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। चैनल द्वारा टॉपर बेटियों, उनके माता-पिता और गुरूजनों के परिश्रम की प्रेरणादायी कहानियों को संकलित कर कॉफीटेबल बुक मेघा तैयार की गई है। जिसका विमोचन राज्यपाल ने किया साथ ही पांच अन्य क्षेत्रों से प्रसारित होने वाले यूटयूब चैनल की शुरूआत रिमोर्ट का बटन दबाकर किया। कार्यक्रम में चैनल के सभी वरिष्ठ अधिकारी, संवाददाता, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से नवजात के इलाज हेतु परिजनों की दूर हुई चिन्ता

सात दिन की नवजात को बचाने श्रमिक पिता पहुंच गये हैदराबाद

मुख्यमंत्री को पता चला तो इलाज के लिए तत्काल पांच लाख की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालोद जिले के ग्राम झलमला के निवासी राजीव नेताम मजदूरी करते थे। उनकी नवजात बिटिया को डॉक्टरों ने हृदय रोग होना बताया और कहा कि वे इसे हैदराबाद ले जाएं, वहीं पर इस बीमारी का इलाज हो पाएगा।

राजीव ने कर्ज लेकर, इधर-उधर संपत्ति बेचकर कुछ पैसे जुटाये और बिटिया को हैदराबाद ले गया। वहां बिटिया की सर्जरी हुई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जब इसकी सूचना मिली और उन्होंने राजीव की कहानी सुनी कि किस तरह अपनी बिटिया के लिए उसने अपना सब कुछ बेच दिया और यथासंभव कर्ज ले लिया। वे राजीव की माँ को लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री ने फोन से इसकी जानकारी होते ही स्वयं श्रमिक राजीव नेताम को मिलने अपने निवास कार्यालय बुलाया और उसकी बिटिया की बीमारी के उपचार के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री बघेल इसे सुनकर काफी भावुक हुए और उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए बिटिया के इलाज के लिए तुरंत पांच लाख रुपए की घोषणा की।

नवजात की दादी श्रीमती शारदा मंडावी को इससे बड़ी राहत मिली और भावुक होकर बताया कि कका के बारे में बहुत सुने रहेन। मिल के बहुत अच्छा लगिस। कका हमर मन के सब चिंता ल दूर कर दिस।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों का स्वास्थ्य हमारे लिए सबसे जरूरी है, इसलिए हमने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत दी जाने वाली राशि की सीमा बढ़ाकर 25 लाख कर दी है।

घरेलू नल कनेक्शन से सुबह-शाम जल प्रदाय आज से प्रारंभ होगा

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के अधीक्षण अभियन्ता ने जानकारी दी है कि अमृत मिशन योजना के तहत डंगनिया जलागार से बिछायी गयी नवीन पाईप लाईन से मई 2023 से टेस्टिंग का कार्य प्रगति पर था, जिसके तहत आसपास के सभी क्षेत्रों में आ रही परेशानियों को ठीक कराया गया। इस कमाण्ड एरिया अंतर्गत डंगनिया बस्ती, शांती विहार, डूंगाजी कॉलोनी, कृष्णा नगर, सोनकर पारा, डंगनिया बाजार क्षेत्र, रोहीणीपुरम, सुन्दर नगर, मैत्रीनगर, ओम सोसायटी, भीम नगर, चन्द्रशेखर नगर, अश्वनी नगर, हनुमान नगर, लाखेनगर, बंधवापारा, लोहार चैक एवं खो-खो तालाब क्षेत्र में पाईप लाईन बिछाया जाकर घरेलु नल कनेक्शन प्रदान किया गया है। अमृत मिशन योजनांतर्गत उपरोक्त वर्णित क्षेत्रों में घरेलु नल कनेक्शन एवं टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसलिये दिनांक 1 अगस्त 2023 से सुबह एवं शाम को नियमित जलप्रदाय प्रारंभ किया जा रहा है। यदि कोई हितग्राही किसी कारणवश घरेलु नल कनेक्शन प्राप्त नहीं किये हैं, तो दिनांक 7 अगस्त 2023 तक जोन क.-05. ईदगाहभाठा पानी टंकी के नीचे कार्यालयीन समय में चितेश यादव, कार्य सहायक, मोबाइल नम्बर 6267643840 से संपर्क कर सम्पत्ति कर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति अविवार्य रूप से जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। इस अवधि के पश्चात् अमृत मिशन योजना से इन क्षेत्रों में नल कनेक्शन प्रदान नहीं किया जावेगा। पूर्ववत् नल कनेक्शन के नियमानुसार कार्यवाही कर ही घरेलु नल कनेक्शन दिया जावेगा।

युवाओं को रोजगार से जोड़ना हमारी प्राथमिकता: भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यह खुशी की बात है कि प्रदेश में युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और लगातार युवाओं को नौकरियां भी मिल रही है। आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं। उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। जैसे-जैसे युवा प्रशिक्षित होंगे, उन्हें कौशल अनुरूप रोजगार से जोड़ने का कार्य भी चलता रहेगा। मुख्यमंत्री बेरोजगारी भत्ता की चौथी किश्त के ऑनलाईन अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां अपने निवास कार्यालय में बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत चौथी किश्त के रूप में प्रदेश के 01 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों को 31 करोड़ 71 लाख रूपए की राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की। बेरोजगारी भत्ता की अप्रैल, मई, जून और जुलाई माह की चार किश्तों को मिलाकर हितग्राहियों के खाते में अब तक 112 करोड़ 43 लाख 30 हजार रूपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। आज अंतरित की गई राशि में अप्रैल माह के शेष 147 लाभार्थियों को चार माह तथा मई माह के शेष 373 लाभार्थियों को तीन माह का और जून माह के शेष 3028 लाभार्थियों को दो माह का बेरोजगारी भत्ता जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान प्रतीक स्वरूप बेरोजगारी भत्ता के प्रशिक्षित हितग्राहियों को नौकरी का ऑफर लेटर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 36 आईटीआई के आधुनिकरण के लिए 1188.36 करोड़ परियोजना के लिए एमओयू भी किया गया है। जिससे युवाओं को 06 नवीन तकनीकी ट्रेड के साथ ही 23 शॉट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे लगभग प्रति वर्ष 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन युवाओं को विभिन्न उद्योगों में नियोजित कराया जाएगा। युवाओं को अपनी तरक्की के राह में आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसलिए हमने बेरोजगारी भत्ता देने और पीएससी व व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं में शुल्क माफ कर उन्हें बड़ी राहत देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि पहले गरीब व निम्न मध्यम वर्गीय युवा इसी सोच में कई परीक्षाओं का फार्म नहीं भर पाते थे कि आवेदन के लिए शुल्क जमा करना पड़ेगा, लेकिन अब उनकी यह चिंता दूर हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने देश के युवाओं से सीधे संवाद करने की शुरूआत की है। प्रदेश की प्रगति और विकास के लिए युवाओं का साथ जरूरी है। युवा अपने प्रदेश को आगे बढ़ाने को लेकर क्या सोच रखते हैं, इस पहल से उनके विचारों को जानने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 41 हजार शासकीय पदों पर भर्तियां चल रही है। हमने युवाओं से जो बात कही थी उसे पूरा किया है। भर्तियों पर लगी रोक हटते ही हमने सरकारी नौकरियों के लिए विज्ञापन निकाल दिए हैं। इसके साथ ही साथ युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम भी साथ-साथ चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने 13-14 वर्षों में 98 करोड़ रूपए बेरोजगारी भत्ते के रूप में बांटे थे। हमने चार माह में ही 112 करोड़ से अधिक की राशि बेरोजगारी भत्ते के रूप में वितरित की है। उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि युवाओं को बेरोजगारी भत्ता सहित प्रदेश के अन्य सभी वर्गों के हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार काम कर रही है। बेरोजगारी भत्ते के माध्यम से युवाओं को जो सम्बल दिया गया है, इससे युवाओं का भविष्य निखर रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि बेरोजगारी भत्ता योजना के सर्वाधिक लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्र के हैं। लगभग 82 प्रतिशत ग्रामीण युवाओं को इसका लाभ मिल रहा है। उनके भविष्य को सवांरने में योजना बड़ी भूमिका निभाएगी। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

तैयारी से शुरू करें

बढ़ते मौकों और लोगों की रुचियों में आ रहे बदलावों के मद्देनजर बड़ी संख्या में युवा स्थापित नौकरियां छोड़ नए करियर का चुनाव कर रहे हैं। लेकिन ऐसे में समय रहते कुछ महत्वपूर्ण चीजों पर विचार करना बेहद जरूरी है। बता रही हैं

● सौदामिनी पांडेय

पिछले कुछ सालों में युवा अपने प्रशिक्षण से इतर बहुत अलग तरह के क्षेत्रों में अपना करियर बना रहे हैं, फिर चाहे इसके पीछे उनका रुझान हो या फिर पैसे का आकर्षण। आजकल प्रोफेशनल्स अपने वेंचर शुरू कर रहे हैं, इंजीनियर और डॉक्टर अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़कर किताबें प्रकाशित करा रहे हैं, विज्ञान के छात्र एक्टिंग में हाथ आजमा रहे हैं। एक प्रोफेशनल वेबसाइट की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि करियर में बदलाव की सबसे बड़ी वजह है करियर के आकर्षक विकल्प।
कुछ नेगेटिव चीजों के कारण भी युवा करियर में बदलाव के बारे में सोचने लगे हैं, मसलन गलत करियर का चुनाव या फिर उस करियर के लिए जरूरी स्किल्स विकसित न कर पाने की स्थिति। जब बात करियर में बदलाव की आती है तो उसमें भविष्य को लेकर एक किस्म की अस्थिरता भी होती है। जिस क्षेत्र में आपका तजुर्बा नहीं है, उसमें आपको कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपनी रुचि के आधार पर करियर में बदलाव की प्रक्रिया को बारीकी से समझने की जरूरत होती है। कुछ महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान दें-

अपनी रुचि को लेकर स्पष्ट हों

आपकी रुचि कौन से करियर में है, इसे लेकर स्पष्टता रखें। इस बात का आकलन करें कि किसी अलग करियर में आपकी रुचि क्षणिक है या आप गंभीरता से उसके विषय में सोच रहे हैं, या फिर ये कि करियर में बदलाव का समय आपके लिए उपयुक्त है या नहीं। अगर थोड़ी सी भी शंका है तो अपने फैसले पर नए सिरे से विचार करें। जल्दबाजी में फैसला कतई न लें।

देने होंगे सवालों के जवाब

'लेकिन आपने करियर क्यों बदला?' हर जगह आपसे अधिकतर यही सवाल पूछा जाएगा, फिर चाहे वह जॉब के लिए इंटरव्यू हो या फिर आपके परिजन। चाहे आपका निर्णय कितना ही सोचा-समझा क्यों न हो, आपसे बार-बार सवाल किए जाएंगे। इसीलिए आपका जवाब ऐसा होना चाहिए, जिससे इंटरव्यू लेने वाले, आपके दोस्त, परिजन और स्वयं आप भी संतुष्ट हो सकें। ऐसे में अगर आप अपने फैसले को लेकर निश्चित नहीं होंगे तो अस्थिरता और खुद पर अविश्वास से आप स्वयं भी अपने फैसले को लेकर ऊहापोह में फंस सकते हैं।

औपचारिक शिक्षा

जिस करियर में आप स्विच कर रहे हैं, उसमें आपके लिए डिग्री हासिल करना अच्छा रहेगा। अगर आप अपना बिजनेस शुरू कर रहे हैं तो इसके लिए औपचारिक ट्रेनिंग या उससे जुड़ा कोर्स करना मूलभूत जरूरत है। अगर आप इंटीरियर डिजाइनिंग में जाना चाहते हैं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर डिग्री कोर्स के लिए समय नहीं है तो डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं, क्योंकि इसमें आपको पूरा समय देने की जरूरत नहीं होती और आपको उस करियर से जुड़ी तकनीकी जानकारी भी मिल जाती है।

तजुर्बा हासिल करें

संभव हो तो नए करियर से जुड़ी इंटर्नशिप करें या किसी जानकार के साथ काम करें। इस तरह आप नए फील्ड से जुड़ी मुश्किलों को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे।

वित्तीय स्थिरता है जरूरी

अगर कुछ मनपसंद काम करना चाहते हैं जैसे कि लेखन या फोटोग्राफी या ऐसी कोई भी जॉब, जिसमें सैलरी बहुत ज्यादा नहीं है तो उसके लिए वित्तीय स्थिरता एक आवश्यक पहलू है, अन्यथा यह आपकी जेब पर भी भारी पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप कम से कम तीन महीने के लिए अपना बैकअप प्लान तैयार करें, जिसमें आपकी मूलभूत जरूरतें और रोजाना के खर्च शामिल हों।

परिवार से करें बातचीत

करियर बदलने से जुड़े अहम फैसले के बारे में अपने परिजनों और करीबियों को जरूर बताएं। परिवारवालों के साथ खड़े होने से आपको मानसिक बल मिलेगा। शुरुआत में आपके परिवार की तरफसे पूछे गए ढेर सारे सवालों के जवाब देने होंगे, जिनके लिए खुद को तैयार कर लें। परिवार से अपने नए वेंचर या करियर के बारे में चर्चा करें।

बोलने में बरतें संयम

एक बार बहुत सारे मेढक एक साथ जंगल से गुजर रहे थे। तभी उनमें से दो मेढक एक गहरे गड्ढ़े में गिर गए। दूसरे सारे मेढक गड्ढे के चारों तरफझुंड बनाकर इकट्ठे हो गए। जब उन्होंने देखा कि गड्ढा कितना गहरा है तो वे चिल्लाने लगे कि दोनों मेढक जिंदा नहीं बचेंगे। इधर गड्ढे में फंसे मेढक पूरी ताकत से उछल कर बाहर आने के लिए कोशिश कर रहे थे। लेकिन उनमें से एक मेढक चिल्ला रहे मेढकों की बातों में आ गया और घबराकर उसने अपनी कोशिश छोड़ दी और गिरने से वह मर गया। वहीं दूसरा मेढक जोर-शोर से अपनी कोशिशों में लगा रहा। इस पर बाहर खड़े मेढक जोर-जोर से चिल्लाने लगे कि वह उछलना बंद करे, छलांग लगाने से कोई फायदा नहीं होगा। इस पर मेढक और ज्यादा उछलने की कोशिश करने लगा और आखिरकार वह उस गहरे गड्ढे से बाहर निकल ही आया। जब वह बाहर आ गया तो बाहर खड़े मेढकों ने उससे पूछा, 'क्या तुम्हें हमारी बात सुनाई नहीं दी थी? उत्साहित मेढक ने जवाब दिया, 'मैं तो बहरा हूं। आप लोगों ने मेरा इतना उत्साह बढ़ाया कि मैं लगातार कोशिश करता रहा और बाहर आने में सफल हो गया।

ध्यान रखें ››

वर्कप्लेस पर आपके कहे शब्द बहुत मायने रखते हैं। ऑफिस में गॉसिपिंग से दूर रहें और अपने सहकर्मियों के साथ सहृदयता से बातचीत करें। बातचीत के दौरान आवाज की सौम्यता, चेहरे के हाव-भाव और बॉडी लैंग्वेज का ध्यान रखना भी जरूरी है। सीनियर्स को पूरा सम्मान दें और अपने मातहत काम करने वालों का उत्साहवर्धन करें। सकारात्मक शब्दों का इस्तेमाल आपकी छवि बेहतर बनाता है, वहीं खुद को दूसरे से बेहतर साबित करना, ऊंची आवाज में बात करना या किसी की बेइज्जती करने से आपकी छवि को गंभीर क्षति पहुंच सकती है। ऑफिस में किस विषय पर कितने विस्तार में बात करनी है, इसका भी ध्यान रखें। मसलन अगर प्लानिंग से जुड़ी कोई उपयोगी योजना आपने बनाई है तो उस पर अपने सहकर्मियों के साथ विस्तार में चर्चा कर सकते हैं। पारिवारिक और अन्य गैरजरूरी विषयों पर चर्चा करने से यथासंभव बचें।

बदलाव का बेहतरीन समय

- जब आप खुद को लेकर आश्वस्त हों कि नए करियर के बारे में अच्छे से समझ लिया है, उसमें अच्छा करने के लिए जरूरी अनुभव जुटा लिए हैं और सारी जमीनी तैयारियां कर ली हैं, तब आपको करियर में बदलाव करने के बारे में सोचना चाहिए।
- अगर आप एक ही करियर में लंबा वक्त बिता चुके हैं और नई स्किल्स हासिल करने के लिए कुछ नया काम करना चाहते हैं।
- जिस करियर में हैं, अगर उसके लिए आप ओवरक्वालीफाइड हैं तो कुछ नया सीखने या प्रयोग करने की सोच सकते हैं।
- अगर आपने गलत करियर का चुनाव कर लिया है, जिसमें आपकी रुचि नहीं और न ही जिसके लिए जरूरी स्किल्स आप अपने अंदर विकसित कर पा रहे हैं।
- अगर आपने कुछ बड़े प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरे किए हैं तो उनकी बुनियाद पर अपना नेटवर्क विकसित कर आप नया काम हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं।
- अगर आपके काम को तवज्जो नहीं मिल रही हो, सैलरी में बढ़त और प्रमोशन भी नहीं मिल रहे हों, आप खुद को महत्वहीन समझने लगें या आपको ऐसा लगे कि आपके हुनर की परख नहीं की जा रही, आपकी स्किल्स का पर्याप्त उपयोग नहीं हो पा रहा, तो आपको इस बारे में जरूर सोचना चाहिए कि कहीं आपने गलत करियर तो नहीं चुन लिया।
- किन्हीं आवश्यक कारणों से कुछ वक्त के लिए जॉब छोड़नी पड़ी तो वापस नई शुरुआत कर सकते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

किसी करियर में कुछ महीने बिताने के बाद आपको उस क्षेत्र से जुड़ी तमाम चीजों के बारे में अच्छी तरह से पता चल जाता है। साथ ही आप यह भी समझ लेते हैं कि करियर में अच्छा करने के लिए जो चीजें जरूरी हैं, उनमें से किसमें आप बेहतर कर सकते हैं। कुछ लोग कम्यूनिकेशन में माहिर होते हैं, तो कुछ का टेबल वर्क बहुत अच्छा होता है, कुछ तकनीकी तौर पर ज्यादा सक्षम होते हैं। जब करियर में बदलाव के बारे में सोचें तो इन पहलुओं पर विचार करना सबसे जरूरी है। जिस करियर को अपनाना चाहते हैं, उससे जुड़ी शॉर्ट एनालिसिस कर लें। साथ ही उस करियर के किसी एक्सपर्ट से उस क्षेत्र से जुड़े जोखिम पर बात जरूर करनी चाहिए।

आशीष आदर्श, करियर कंसल्टेंट

अगर आप नौकरी छोड़ने का मन बना रहे हैं तो आप इतनी बचत जरूर कर लें कि परिवार या दोस्तों से आपको उधार मांगने की जरूरत न पड़े। अगर आप किसी तरह के लोन की मासिक किश्तें भी अदा कर रहे हैं तो आपके पास ठोस रणनीति होनी चाहिए, ताकि बैंक आपसे वैसे वसूलने आपके घर तक न पहुंचे।

दो तरीके से पहचानें असफलता

- मान लीजिए कि आप अपनी रुचि के काम के लिए अपनी स्थापित नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करते हैं, जिसमें आप कामयाब नहीं हो पाते। कुछ महीनों में आपको अपनी गलती का एहसास हो जाता है। लेकिन इस तरह का कदम उठाने से आपका आत्मविश्वास डगमगा सकता है और आपको कई तरह की मुसीबतों का भी सामना करना पड़ सकता है।
- दूसरा तरीका यह है कि आप जिस करियर को अपनाना चाहते हैं, उससे जुड़ी किसी कंपनी में नौकरी कर लें। आप किस परिवेश से आते हैं, पूर्व में किन ओहदों पर काम कर चुके हैं, इन चीजों को दरकिनार कर नई कंपनी में नौकरी करने पर आपको ग्राउंड रियलिटी के बारे में बेहतर पता चल सकेगा।

पीली साड़ी पहन श्वेता ने 42 की उम्र में इंटरनेट का पारा किया गर्म

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी बोल्ड और खूबसूरत फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का लेटेस्ट साड़ी में फोटोशूट तेजी से वायरल हो रहा है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस भरी अदाएं देखकर हर कोई दीवाना हो गया है।

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने बेबाक अभिनय से लोगों के दिल में अपनी खास पहचान बनाई है। श्वेता तिवारी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने पीली रंग की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का इन तस्वीरों में कातिलाना अंदाज फैंस के दिलों पर खंजर चलाने का काम कर रहा है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने पूल के अंदर खड़े होकर किलर अदाओं में एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते हुए फोटोशूट करवाया है। श्वेता तिवारी अपनी इन तस्वीरों में जमकर पतली कमर को फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। 42 साल की उम्र एक्ट्रेस की स्लिम फिगर देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट करते हैं।

समय पर कराएं जांच और बरतें सावधानी तो ये बीमारियां रहेंगी दूर

आजकल बीमारियां दबे पांव हमारे पास आ पहुंचती हैं। अगर हम सावधान नहीं हैं तो ये बीमारियां हमें अपने चंगुल में जकड़ लेती हैं, लेकिन अगर हम समय पर अपने शरीर की जांच कराते रहें तो इन बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल एक तरह का फैटी एसिड होता है। कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं- एचडीएल (हाई-डेन्सिटी लिपोप्रोटीन्स) और एलडीएल (लो डेन्सिटी लिपोप्रोटीन्स)। कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट में रक्त में एचडीएल और एलडीएल दोनों का स्तर जांचा जाता है। बढ़ हुआ एचडीएल अच्छा होता है और दिल को बीमारियों से बचाता है, जबकि एलडीएल बुरा होता है और दिल की बीमारियों की आशंका बढ़ता है।

कब कराएं जांच

पहली बार 20 साल की उम्र में कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट करवाना चाहिए। इसके बाद हर पांच साल में एक बार यह टेस्ट करवाने से आप कोलेस्ट्रॉल के स्तर पर नजर रख सकते हैं। हालांकि इसके बाद आपको कितने समय बाद जांच करवानी है, यह उसके स्तर पर निर्भर करता है। अगर रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक है और अगर आपके परिवार के किसी सदस्य को दिल की बीमारियां रही हों तो हर 6 माह में जांच कराएं ।

ब्लड प्रेशर जांच

हाई ब्लड प्रेशर में धमनियों में रक्तदाब बढ़ जाता है, जिससे रक्त नलिकाओं में रक्त के संचरण के लिए हृदय को सामान्य से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। हाइपरटेंशन दो तरह की होती है- प्राइमरी हाइपरटेंशन और सेकेंडरी हाइपरटेंशन। 90-95 प्रतिशत लोगों को प्राइमरी हाइपरटेंशन होती है। बिगड़ती जीवनशैली, बाहर का खानपान, शारीरिक व्यायाम की कमी आदि के कारण यह समस्या बच्चों में भी देखी जा रही है।

कब कराएं जांच

पहली बार आप 15 साल की उम्र में ही ब्लड प्रेशर की जांच करा लें तो ज्यादा अच्छा है। यह जांच हर साल करवानी चाहिए, लेकिन अगर किसी का ब्लड प्रेशर सामान्य से कम या अधिक हो तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें और उनके निर्देशानुसार समय-समय पर जांच कराते रहें।

नेत्र एवं दृष्टि की जांच

डॉक्टर के अनुसार दृष्टि की जांच बचपन से ही शुरू हो जानी चाहिए। आप अपने बच्चे की भी दृष्टि की जांच करवाएं, अगर वह स्कूल जाने लगा है। जांच में ऑप्टिक नर्व, मोतियाबिंद, काला मोतिया आदि बीमारियों की जांच की जाती है।

कब व कितने अंतराल पर

यह जांच 18 वर्ष के बाद साल में एक बार अवश्य कराएं।

डायबिटीज के मरीज संभालें अपना दिल

डायबिटीज भारत में तेजी से महामारी का रूप लेती जा रही है। इस बीमारी से भविष्य में भारत पर कितना बोझ पड़ेगा, अभी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। दिल के रोगों की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण भी डायबिटीज ही है, क्योंकि दोनों का आपस में सीधा संबंध है।

जीवनशैली की अनियमितताएं डायबिटीज, मोटापा और हाईपरटेंशन होने का खतरा बढ़ा देते हैं, जिससे दिल की बीमारियों और छोटी उम्र में मौत का खतरा बढ़ जाता है। शहरों में तनाव की वजह से मरीजों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है, जबकि ग्रामीण इलाकों में शहरों के मुकाबले डायबिटीज के मरीजों की तादाद महज एक चौथाई है।

इसका कारण यह है कि शहरों में लोग अत्यधिक तनाव में रहते हैं। वह व्यायाम कम करते हैं सोते कम हैं, मुख्य तौर पर अस्वस्थ खाना खाते हैं, खाने में अत्यधिक ट्रांसफैट, नमक और चीनी लेते हैं और तनाव से मुक्ति के लिए शराब और धूम्रपान का सहारा लेते हैं। इन बीमारियों को जड़ से मिटाने और इनसे होनी वाली समस्याओं से बचने के लिए जीवनशैली में बदलाव बेहद जरूरी है।

नई दिल्ली के वसंत कुंज स्थित फोर्टिस एफएलटी राजन ढल हॉस्पिटल के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. रिपेन कुमार गुप्ता ने कहा कि डायबिटीज और दिल के रोगों के संबंधों को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि दिल का दौरा तब पड़ता है, जब चर्बी के कण जिसे प्लॉक कहा जाता है, वह रक्त धमनियों में जमा होकर उनमें रुकावट पैदा कर देती हैं और दिल को रक्त और ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है।

उन्होंने कहा कि इनसुलिन न बनने की वजह से रक्त में मौजूद अत्यधिक शूगर डायबिटीज एवं कॉरनरी एथेरोसिलेरोसिस की शुरुआत का कारण बनती है। धीरे-धीरे प्लॉक रक्त धमनियों को सख्त और तंग कर देती है। इससे दिल की मांसपेशियों तक आक्सीजन युक्त रक्त नहीं पहुंच पाता। आगे चल कर प्लाक जमने से धमनियां फट सकती हैं और रक्त के थक्के जम सकते हैं और धमनियों के पूरी तरह से बंद होने की वजह से दिल का दौरा पड़ता है।

नोएडा स्थित कैलाश हस्पताल एवं हार्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर इंटरवेनशनल कार्डियॉलॉजिस्ट डॉ. संतोष कुमार अग्रवाल ने कहा कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों को आम लोगों की तुलना में दिल के रोगों, दिल के दौरे और कॉर्डियोमायोपैथी की संभावना दो से चार गुना ज्यादा होती है। जितना ज्यादा किसी व्यक्ति का ब्लड शूगर होगा उतना ही हृदय रोग का खतरा ज्यादा होगा। उन्होंने कहा कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों को थोड़ी ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए और अपना इनसुलिन और दिल की दौरे के खतरे की जांच करते रहना चाहिए। जीवनशैली में कुछ बदलाव करके और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का प्रयोग करके डायबिटीज के मरीज खतरे को कम कर सकते हैं। शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने से आपका रक्तचाप कम होगा, ब्लड शूगर कम होगी और वजन घटेगा, तनाव भी कम होगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी बने बिलासपुर हाई कोर्ट के स्थाई जज

रायपुर। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के कोर्ट हाल नम्बर 1 में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज के रूप में शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी की नियुक्ति 08 अक्टूबर 2021 को एडिशनल जज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में हुई थी। विधि एवं विधायी कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा 28 जुलाई 2023 को न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज में नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की गयी थी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफजस्टिस रमेश सिन्हा ने न्यायमूर्ति तिवारी को स्थाई जज के रूप में शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में समस्त न्यायमूर्तिगण रजिस्ट्री व ज्यूडिशियल एकेडमी के न्यायिक अधिकारीगण, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर, प्रमुख सचिव, विधि एवं विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय, रायपुर अधिवक्तागण एवं न्यायमूति दीपक कुमार तिवारी के परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

सेक्टर अधिकारी पूरी गंभीरता से करें निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन - कलेक्टर

सुकमा। कलेक्टर हरिस एस.ने सेक्टर ऑफिसरों को निर्वाचन संबंधी सभी दायित्वों को पूरी गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक लेकर कलेक्टर ने जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को संबंधित क्षेत्र के सेक्टर ऑफिसर से सभी पोलिंग केंद्रों की भवनों में मूलभूत व्यवस्था सहित शौचालय, रैंप व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मतदान दिवस के दिन पोलिंग स्टेशनों में होने वाले वेबकास्टिंग के लिए नेटवर्क व्यवस्था सहित पोलिंग स्टेशनों को चिन्हांकित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य सभी निर्वाचन संबंधी कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण करने कहा। कलेक्टर ने जिले में ईवीएम मशीनों के प्रदर्शन कार्य की जानकारी ली तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान संबंधी जागरूकता करने कहा। उन्होंने स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरूकता के लिए ब्लाक स्तर सहित जिला स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही नॉमिनेशन की प्रक्रिया, सेक्टर ऑफिसर के लिए हैंडबुक सहित अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अगामी निर्वाचन के लिए राजस्व अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी निर्देश देते हुए जनप्रतिनिधियों का नाम मतदाता सूची में होना सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने अथवा संशोधन से सम्बंधित प्राप्त आवेदनों को समय सीमा में ही निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने 01 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवा मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए बीएलओ, वोटर हेल्पलाइन एप्प या वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से फार्म-6 का ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

रोक छेका अभियान के तहत मवेशियों को लगाया जा रहा रेडियम पट्टी

सुकमा। कलेक्टर हरिस एस. के निर्देश पर रोका छेका अभियान के तहत पशुधन विकास विभाग के मैदानी कर्मचारी मुख्य मार्गों से आवारा मवेशियों को हटाने की कार्यवाही की कर रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने सड़कों के आस-पास खड़े आवारा मवेशियों को नगरीय निकायों में काऊ कैचर वाहन के जरिए पकड़कर गोठानों और अन्य सुरक्षित जगहों में ले जाया जा रहा है। साथ ही जनहानि व पशुहानि को रोकने के लिए रोका छेका अभियान के तहत घुमन्तु मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट व सींगों में रेडियम पट्टी लगाई जा रही है। पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. एस. जहीरुद्दीन ने बताया कि रात के समय वाहन चालकों को सड़कों पर बैठे मवेशी दूर से नजर आ जाएं, इसके लिए घूमन्तु पशुओं को रेडियम बेल्ट व सींगो में रेडियम पट्टी तथा कानो में टैग लगाने के लिए पशु चिकित्सकों एवं सहायकों का दल गठित किया गया है। यह दल नगर पालिका कर्मचारियों के सहयोग से प्रतिदिन राष्ट्रीय राजमार्ग एवं चौक-चौराहो में घुमंतु गौवंशीय-भैंस वंशीय पशुओं को पकड़कर कानों में टैग, गले में रेडियम बेल्ट व सींगो में रेडियम पट्टी लगाने की कार्यवाही कर रहे है। साथ ही पूर्व से पशुओं के कान में लगे हुए टैग के माध्यम से पशु मालिक की पहचान कर पशुओं को सड़क पर खुला न छोड़ने की समझाइश दी जा रही है एवं लापरवाह पशुपालकों को दंडित भी किया जा रहा है । उपसंचालक ने जिले के पशुपालकों से मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़ने व गले में रेडियम पट्टी, टैग लगाने में दल का सहयोग कर जानमाल एवं पशुधन को क्षति से बचाने की अपील की है।

शिवनाथ गंगा महाआरती में शामिल होकर मंत्रमुग्ध हुए भक्तगण

खारुन से शिवनाथ तक गूंजती रही बोल बम के जयकारे, कांवड़ यात्रा में उमड़े हजारों श्रद्धालु

श्रीकंचपनथ न्यूज

भिलाई-3। शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति एवं सर्व हिन्दू समाज भिलाई - 3 द्वारा प्रदेश में बढ़ रहे धर्मांतरण के विरुद्ध एवं सनातन संस्कृति की रक्षा के संकल्प के साथ दिव्य शिवनाथ कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में शिवनाथ कावड़ यात्रा के सदस्य एवं भक्तगण कुम्हारी टोलनाका खारुन नदी से बोल बम के जयघोष के साथ जल लेकर 33 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर शिवनाथ नदी तट दुर्ग पहुंचकर शिवजी का जलाभिषेक किए।

खारुन नदी तट पर आरएसएस के पूर्व प्रांत प्रमुख बिसरा राम यादव जी, हनुमान मंदिर चरोदा के पुजारी एवं समाज प्रमुखों ने यात्रा को भगवाध्वज दिखाकर रवाना किया। शिवनाथ नदी तट में समिति द्वारा बनारस की तर्ज पर शिवनाथ गंगा महा आरती का आयोजन किया गया।

आस्था के इस केंद्र में दूर दूर से हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा मईया और हर-हर महादेव की जयकारों के साथ पूरे क्षेत्र को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं शिवनाथ कांवड़ यात्रा प्रमुख उपकार चंद्राकर ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारी यह यात्रा धर्मांतरण के विरुद्ध युवा एवं सनातन संस्कृति की रक्षा के संकल्प को लेकर आयोजित की गई है। यह 33 किलोमीटर की लंबी कांवड़ यात्रा अपने आप में एक स्वर्णिम और ऐतिहासिक है। इस कांवड़ यात्रा में जिलाभर के श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा के साथ खारुन नदी से जल लेकर नई ऊर्जा, उमंग एवं उत्साह के साथ यात्रा कर शिवनाथ नदी तट पहुंचे। कांवड़ यात्रा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने भी हिस्सा लिया। जगह-जगह बोल के जयकारों से शिवनाथ कांवड़ यात्रा का स्वागत किया गया। यह यात्रा बाबा महादेव की कृपा से सार्थक एवं ऐतिहासिक रही है। कांवड़ यात्रा में शामिल सभी लोगो ने संगठित हिन्दू समाज एवं धर्मांतरण के विरुद्ध सदैव संघर्षरत रहने का संकल्प लिया। यात्रा प्रमुख उपकार चंद्राकर ने आगे कहा कि बाबा महादेव की कृपा से कांवड़ यात्रा एवं शिवनाथ गंगा महाआरती का आयोजन सफल हुआ। सफल आयोजन के लिए मैं समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले, जगह-जगह स्वागत करने वाले विभिन्न संगठन, संस्था एवं समाजजनों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

कांवड़ यात्रा एवं गंगा आरती में प्रमुख रूप से कांतिलाल बोथरा, अनूप गटागट, शिरीष अग्रवाल, मनीष पांडेय, पप्पू चंद्राकर, सुरेंद्र साहू, विपिन चंद्राकर, वरुण यादव, तेजस पाल, उदय भास्कर, अजय विक्की अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, रूपेंद्र यादव, खिलावन, महेंद्र साहू, हर्षित साहू, रोहित चौधरी, गुड्डू भारती, नितेश शर्मा, दीप पटेल, पुष्पराज सिंह, अनिल बिनिया, अखिल वर्मा, मयंक गुप्ता,कमल शर्मा टीम शिवनाथ महोत्सव के सदस्य सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालू शामिल हुए।

शिवनाथ कांवड़ यात्रा का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

शिवनाथ कांवड़ यात्रा का स्वागत सांसद विजय बघेल, कांतिलाल बोथरा, अनूप गटागट एवं साथी द्वारा गंजपारा, बस स्टैंड दुर्ग में भाजयुमो द्वारा, साईंस कॉलेज में यादव समाज द्वारा, कुम्हारी में अश्वनी साहू एवं साथियों द्वारा, खारुन ग्रीन्स में तृप्ती चंद्राकर द्वारा, चरोदा में पार्षद निशा राजेश यादव द्वारा, चरोदा रेल नगर में वेदप्रकाश पाण्डेय एवं साथीयों द्वारा, सिरसा गेट में समाजसेवियों द्वारा, राम मंदिर में दिलीप पटेल सुषमा जेठानी भाजपा चरोदा मंडल द्वारा, डबरा पारा चौक पार्षद तुलसी ध्रुव द्वारा, पावर हाउस चौक राजेश चौधरी, मनीष अग्रवाल साथियों द्वारा, राज राजेश्वरी मंदिर में आकाश ठाकुर अजय पांडेय एवं भाजयुमो द्वारा, महाराणा प्रताप भवन में रोहन सिंह, राहुल भोसले द्वारा सहित जगह-जगह कांवड़ यात्रा का स्वागत समाजसेवियों, संस्थाओं एवं नागरिकों द्वारा किया गया।

कांग्रेस सरकार की बनाई गई योजना इंदिरा आवास का नाम बदल कर मोदी ने प्रधानमंत्री आवास कर दिया - बैज

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा गरीबों को आवास उपलब्ध करवाने की योजना इंदिरा आवास का ही बदला नाम है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने इंदिरा आवास योजना में शुरूआत में केंद्रांश 80 और राज्यांश 20 था जो बाद में 75 और 25 हुआ, मोदी राज में यह 60 और 40 हो गया राज्यों की भागीदारी बढ़ा दी गयी।

केंद्र सरकार अपना हिस्सा न देने पड़े इसलिये प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति में हमेशा कोताही बरतती है। गरीबों के आशियाने के सपने को चकनाचूर करने वाले गरीबों के हितैषी बनने का पाखंड कर रहे हैं। भाजपा छत्तीसगढ़ में राज्य शासन पर झूठा आरोप लगाकर प्रधानमंत्री आवास पर भ्रम फैलाती है। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार इस दिशा में सतत प्रयासरत रहती है कि प्रत्येक जन कल्याणकारी योजना का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को मिले, चाहे वह केंद्र की योजना हो अथवा राज्य की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि राज्य में वर्तमान में कांग्रेस सरकार बनने के बाद प्रदेश में कुल शहरी और ग्रामीण मिलाकर कांग्रेस सरकार बनने के बाद 1,304,000 (तेरह लाख चार हजार) आवास स्वीकृत हुये है। प्रदेश में 10.57 लाख ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास की मंजूरी हुई। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में 2 लाख 69 हजार मकान स्वीकृत हुये। प्रधानमंत्री आवास के शहरी क्षेत्र का ही यदि तुलनात्मक अध्ययन करे तो रमन सिंह सरकार ने 4 साल में शहरी क्षेत्र में मात्र 19,000 मकान बनाये थे तथा भूपेश सरकार ने 4 साल में 247,000 मकान बनाये है। रमन सरकार ने चार साल में मात्र 272 करोड़ रू. का राज्यांश दिया था इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने 4 साल में 2100 करोड़ शहरी आवास में राज्यांश दिया है। मुख्यमंत्री ने इस साल के बजट में भी प्रधानमंत्री आवास के लिये 3238 करोड़ का प्रावधान किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री आवास शहरी के बेहतर क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को पुरस्कृत कर रही है। भाजपा शासित राज्यों से बेहतर छत्तीसगढ़ को बता रही है। वही भाजपा नेता प्रधानमंत्री आवास नहीं बनाने का झूठा आरोप लगा रही। भाजपा नेताओं को जनता को बताना चाहिए राज्य के लिये स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना को रद्द क्यों किया? छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में प्रधानमंत्री आवास योजना का आबंटन केंद्र सरकार के पास फंड की कमी के चलते रद्द किया गया है। प्रधानमंत्री के गृह राज्य में भी प्रधानमंत्री आवास योजना में मात्र 40 प्रतिशत काम हुये है।

राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में एमए छत्तीसगढ़ी की मांग, मुख्यमंत्री बोले-चिंता मत कीजिए

श्रीकंचपनथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय में संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद और चिन्हारी साहित्य समिति भिलाई के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पारकर के नेतृत्व में एम.ए. छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र विकास समिति के सदस्यों ने मुलाकात कर आभार जताया। इन लोगों ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रतीक 'बइला-गाड़ी'की काष्ठ कृति और छत्तीसगढ़िया गमछा भेंट कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सम्मान किया और छत्तीसगढ़ी भाषा के छात्रों के लिए प्राध्यापक पद पर भर्ती किये जाने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री बघेल का आभार जताया। इस दौरान चिन्हारी साहित्य समिति की ओर से दुर्गा प्रसाद पारकर ने एमए छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम के लिए शासकीय सेवा के अवसर की घोषणा किए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में एमए छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम के लिए 40 के बजाए 100 सीट करने, छत्तीसगढ़ के सभी विश्वविद्यालयों में स्नातक में एक विषय छत्तीसगढ़ी पढ़ाने और एम.ए.छत्तीसगढ़ी की डिग्री शुरू करने की मांग की। इस पर

मुख्यमंत्री बघेल ने पारकर से कहा कि-चिंता मत कीजिए,धीरे-धीरे सब मांग पूरी होगी। मुख्यमंत्री बघेल ने आयोजन में छत्तीसगढ़ी साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर की रचनाओं के संग्रह पर आधारित गीत-संग्रह 'सुमिरँव छत्तीसगढ़' का भी विमोचन किया। इस दौरान दुर्गा प्रसाद पारकर ने मुख्यमंत्री बघेल को बताया कि उनके लिखे गीत पद्मश्री महेन्द्र कपूर,पद्मश्री डॉ.ममता चंद्राकर,मिथलेश साहू,छाया चंद्राकर,अलका चंद्राकर और दिलीप षडंगी सहित कई नामी गायक गायिका गा चुके हैं। वहीं उनका लिखा उपन्यास 'बहू हाथ के पानी' हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग के एम .ए. हिन्दी,हरिशंकर परसाई के व्यंग्य 'मन के संग्रह' का छत्तीसगढ़ी अनुवाद 'सुदामा के चाँउर' पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के एम.ए.छत्तीसगढ़ी के पाठ्यक्रम में शामिल है।

किसानों को करें प्रोत्साहित, जैविक खेती को दें बढ़ावाः मंत्री ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज अपने निवास कार्यालय में कृषि विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। कृषि मंत्री का पदभार मिलने के बाद श्री साहू ने पहली बार अधिकारियों की बैठक ली और उनसे कहा कि राज्य सरकार का मुख्य फोकस किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर है।

श्री साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप मैदानी अमले कृषि और उससे जुड़े विभागों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें तथा किसानों से जुड़ी समस्याओं और उनके निराकरण के लिए पहल करें। श्री साहू ने कहा कि किसानों को समय पर खाद-बीज आदान सहायता के साथ ही अन्य जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साहू ने कहा कि किसान समृद्धि योजना और शाकम्भरी योजना से किसानों को सिंचाई का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने के लिए विभाग कार्य करे।

उन्होंने कहा कि जैविक खेती का रकबा अधिक से अधिक बढ़ाए और साथ ही इसका प्रमाणीकरण भी करें। श्री साहू ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानो को खाद और बीज की कमी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही अधिकारियों को बेहतर काम करने और योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान श्री साहू ने गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि विभाग के साथ ही मंडी बोर्ड, बीज एवं कृषि विकास निगम तथा उद्यानिकी विभाग के योजनाओं की भी गहन समीक्षा की। श्री साहू ने अधिकारियों को उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए।

कृषि मंत्री ने फसलों के बीमा के संबंध में अधिकारियों के चर्चा करते हुए कहा है कि ब्लाक स्तर के कृषि अधिकारियों की ये जिम्मेदारी है कि वो किसानों को योजनाओं की बेहतर तरीके से जानकारी दें और फसल बीमा के बारे में किसानों को अवश्य जागरूक करें।

समीक्षा बैठक के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कृषि मंत्री को विभाग की सभी योजनाओं की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी। बैठक में इंदिरा गाधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल, गोधन न्याय योजना के प्रबंध संचालक डॉ. अयाज तम्बोली, संचालक उद्यानिकी माथेश्वरन व्ही. एवं मंडी बोर्ड के महाप्रबंधक महेन्द्र सिंह सवन्नी समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

छोटे व्यापारियों के लिए मुद्रा लोन मेला संजीवनी का काम करेगीः अमर पारवानी

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी की अध्यक्षयता में प्रदेश कार्यालय में कैट पदाधिकारियों एवं युवा टीम के पदाधिकारियों की मिटिंग हुई। मिटिंग में आगामी 2 अगस्त को दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:00 तक कैट के प्रदेश कार्यालय मे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला का आयोजन किया जायेगा।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला का आयोजन 2 अगस्त को कैट के प्रदेश कार्यालय में किया जा रहा है। मुद्रा लोन मेला में व्यापारियों को 50 हजार रूपये से 10 लाख रूपये तक का लोन राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा बिना किसी गांरटी के पात्रता अनुसार दिया जायेगा। तकनीकी टीम (सीए) द्वारा निःशुल्क सहायता, राष्ट्रीयकृत बैंको की मौजूदगी, आकर्षक ब्याज दर, स्पॉट लोन मंजूरी (कागजात पूर्ण होने पर) एवं अन्य लोन सम्बधित समस्याओं का समाधान किया जायेगा। अमर पारवानी एवं जितेन्द्र दोशी ने आगे बताया कि कैट आगामी दिनों फूड एण्ड सेफ्टी पर एक कार्यशाला आयोजन करेगी। तथा छोटे व्यापारियों के लिए गुमास्ता बनाने हेतु शिविर का आयोजन किया जायेगा। कैट सभी व्यापारियों से अपील करती है, कि 2 अगस्त को कैट के प्रदेश में आयोजित मुद्रा लोन मेला का लाभ उठाये और अपने व्यापार को आगे बढाने में सहायक बने।

मिटिंग में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे :- जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, सुरिन्द्रर सिंह, भरत जैन, अवनीत सिंह, विजय पटेल, राकेश ओचवानी, सुनील धुप्पड़, महेश जेठानी, नरेश पाटनी, प्रीतपाल सिंह बग्गा, महेश खिलोसिया, संजय जयसिंह, जयराम कुकरेजा, जितेन्द्र गोलछा, राकेश कुमार अग्रवाल, महेन्द्र बागरोडिया, नरेन्द्र दुग्गड़, सतीश श्रीवास्त, मोहन वर्ल्यानी, विक्रांत राठौर, परविन्दर सिंह, रमेश खोडियार एवं भरत भूषण गुप्ता आदि।

स्कूली छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

गरियाबंद। आगामी विधानसभा निर्वाचन एवं सभी निर्वाचनों में नागरिकों द्वारा शत प्रतिशत मतदान करने एवं उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में उत्साह के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम "स्वीप" चलाए जा रहे है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का संचालन भी किया जा रहा है। इसी तारतम्य में स्वीप कार्यक्रमों के तहत छुरा के स्कूली विद्यार्थियों, आमनागरिकों, अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वर्ण जयंती चौक से रैली निकालकर बजरंग चौक, शिव चौक एवं मस्जिद पारा में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया। एसडीएम भूपेन्द्र साहू, तहसीलदार अंकुर रात्रे, बीईओ, सीएमओ, शिक्षकगण तथा स्कूली विद्यार्थी शामिल थे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

सौतेले पिता ने 11 साल की बेटी के साथ किया दुष्कर्म, पीड़िता ने मां को रो-रोकर सुनाई आपबीती

कोरबा। कोरबा के मानिकपुर चौकी क्षेत्र में एक शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां सौतेले पिता ने रिश्तों को कलंकित कर देने वाली घटना को अंजाम दिया है। उसने सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी ने उसके साथ उसकी मां और भाई को भी मौत के घाट उतारने की धमकी दी। जब पीड़िता ने रो-रो कर अपना दर्द अपनी मां को बताया तब उसने पुलिस चौकी पहुंचकर अपनी बात बताइए जहां पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दरिंदे पिता को गिरफ्तार कर लिया।

मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक बस्ती में चार बच्चों की मां जिसके पति का पांच साल पहले निधन हो गया और वह मजदूरी कर अपने चार बच्चों को पाल रही थी। इसी दौरान वह एक अन्य शख्स के नजदीक आई। दोनों पति-पत्नी के रूप में रहने लगे। इस बीच उसने महिला की 11 साल की बेटी को अपनी हवस का शिकार बनाया। जब नाबालिग ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे और उसके परिवार वालों को जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद जब आरोपी की दरिंदगी बढ़ने लगी तो पीड़िता ने मां को रो रोकर आपबीती सुनाई। जिसके बाद मां ने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला से गैंगरेपः रास्ता रोक कर पहले पिलाई शराब, फिर जंगल में ले जाकर किया रेप

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक महिला से गैंगरेप हुआ है। बताया जा रहा है कि महिला साप्ताहिक बाजार आई हुई थी। यहां कुछ लोगों ने उसे जमकर शराब पिलाई। जब वह बेसुध हुई तो उसे बाजार स्थल से दूर जंगल की तरफ लेकर गए। जहां 3 युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद सभी मौके से फरार हो गए। अब महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार को बीजापुर जिले के नैमेड गांव का साप्ताहिक बाजार भरा था। उसी गांव के आस-पास की रहने वाली एक महिला भी खरीददारी करने पहुंची हुई थी। फिर शाम के समय वह घर लौट रही थी तो रास्ते में उसे तीन युवकों ने रोक लिया, फिर महिला को जबरदस्ती शराब पिला दी। जिससे महिला बेसुध होकर नीचे गिर गई थी। फिर तीनों आरोपी उसे उठाकर जंगल की तरफ लेकर गए और गैंगरेप कर दिया।वारदात के बाद महिला को घटनास्थल पर ही छोड़कर तीनों आरोपी फरार हो गए। फिर देर रात पीड़ित किसी तरफ से खुद बीजापुर सिटी कोतवाली पहुंची। जहां उसने अपने साथ हुई इस दरिंदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात 3 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नशीली दवाओं के साथ पुलिस ने 2 महिला सहित 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

बीजापुर। बीजापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थ एवं नशीली दवाइयों का व्यापार करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से मादक पदार्थ व नशीली दवाइयां बरामद की हैं।

पुलसि को सूचना मिली कि पुराना बस स्टैंड के पास रहने वाले कादिर खान अपने सहयोगियों के साथ अवैध रूप से गांजा की बिक्री कर रहा है। संदेह के आधार पर मकान में दबिश देकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मकान से 4.08 किलो गांजा और 15 सौ रुपए की नगदी बरामद की गई। एक अन्य कार्रवाई में एक महिला और जयंता मंडल के घर पर एनपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत नोटिस जारी कर मकान की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को पेरवियन प्लस कैप्सूल के 19 पैकेट और 41,859 रुपए बरामद किए। इस मामले में पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

छत्तीसगढ़ के अफसर के खिलाफ संविदा कर्मी युवती ने कराई एफआईआर, चेंबर में बुलाकर धमकाने का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में संयुक्त संचालक पर अपने ही अधीनस्थ संविदा कर्मचारी युवती से अभद्र व्यवहार व धमकाने का आरोप लगा है। युवती ने पंडरी थाने पहुंचकर अफसर के खिलाफशिकायत दर्ज कराई है। युवती की शिकायत पर पंडरी थाने की पुलिस ने अफसर के खिलाफ294 और 506 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार (कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र रायपुर) के अन्तर्गत उपकेन्द्र तेलीबांधा मे एवीएफ्ओ संविदा के पद पर कार्यरत युवती कुमारी योशिका देवागंन ने शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि डां. शंकर लाल उईके जो कि संयुक्त संचालक (पशु चिकित्सा सेवाएं) ने 25 जुलाई की सुबह 10.53 बजे कार्यालय जेडी रायपुर ग्रुप में मैसेज किया। जिसमे मोबाइल 7647989349 से उन्हे फोन आया था जिसमे तेलीबांधा के एवीएफ्ओ फोन नही उठा रही है इसकी शिकायत मिलने का जिक्र करते हुए 12.00 बजे तेलीबांधा के एवीएफओ को सभी रजिस्टर के साथ मिलने कहा गया।

इसके बाद युवती दोपहर 12.00 बजे कार्यालय संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं पंडरी रायपुर पहुंची। डां. शंकर लाल उईके ने 12.30 बजे अपने चैम्बर बुलाया। इस दौरान चैंबर में डां. सुमित गर्ग, डां. अजय अग्रवाल एवं मरियम सोनी एवीएफ्ओ भी मौजूद रहीं। मरियम सोनी ने युवती को मोबाइल छीन लिया। मोबाइल जांच करने पर पता चला कि 7647989349 नंबर से कोई काल नही आया है। इसके बाद डॉ शंकर लाल उईके ने युवती को अश्लील गाली देना शुरू कर दिया। युवती का आरोप है कि डॉ शंकर लाल उईके ने कहा ऐसा हाल बनाउंगा की कही मुंह दिखाने लायक नही रहोगी। यही नहीं उइके ने युवती का कैरियर बर्बाद करने की धमकी दी और रजिस्टर को मुंह पर फेंक दिया। अश्लील गाली देते हुए उंगलियों के इशारे से जान से मारने की धमकी भी दी।

केरोसीन लेकर एसपी ऑफिस पहुंची दुष्कर्म पीड़िता युवती आत्मदाह करने की कोशिश, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में सोमवार को दुष्कर्म पीडिता ने आत्मदाह करने का प्रयास किया। युवती केरोसीन लेकर पहुंच गई और खुद पर छिड़कते हुए आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद महिला पुलिस कर्मियों ने युवती को रोका। युवती का आरोप है कि पंडरीतराई पुलिस उसकी शिकायत पर कारवाई नहीं कर रही है। यही नहीं युवती ने थाना प्रभारी पर भी आरोप लगाए।

कबीरधाम जिले के एसपी कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती केरोसीन का कैन लेकर आत्मदाह करने पहुंच गई। सोमवार दोपहर बाद करीब 3 बजे युवती एसपी कार्यालय पहुंची और खुद पर केरोसीन डाल लिया। पुलिसकर्मियों ने देखा तो युवती को रोका और किसी तरह से समझाकर शांत कराया। युवती ने आरोप लगाया कि ग्राम मंझोली निवासी अबरार खान ने शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म किया।

पीडित युवती ने बताया कि अबरार उसे रायपुर के एक लॉज में लेकर गया और वहां दुष्कर्म किया। इस दौरान उसके परिजन भी पहुंच गए और उसके साथ गाली गलौच व मारपीट की। युवती का कहना है कि पंड़रीतराई पुलिस ने उसकी शिकायत के बाद पहले तो कोई कार्रवाई नहीं की। पीडिता ने बताया कि अबरार के रायपुर निवासी रिश्तेदार कादिर खान, इमरार, सहजाद, दिलशाद, मोहम्मद शमसीर आदि ने उसके साथ मारपीट की थी। इससे पहले पीडिता ने इस मामले में रायपुर प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता लेकर भी अपना दर्द बताया था। इस पूरे मामले में एसपी अभिषेक पल्लव कहना है कि युवती के पुलिस पर आरोप निराधार है। युवती की शिकायत पर एफआईआर भी हुई और आरोपी अबरार को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं युवती ने मारपीट की घटना रायपुर में हुई है और रायपुर में मामला दर्ज है। समझाइश के बाद युवती को रायपुर भेज दिया गया है।

पार्थवी कॉलेज में मुन्ना भाई गिरफ्तार, फर्जी आईडी बनाकर पहुंचा था परीक्षा केंद्र

भिलाई। पुरानी भिलाई पुलिस ने फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन में दूसरे की जगह परिक्षा देने वाले मुन्ना भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी मनीष यादव निवासी गोमती नगर लखनऊ उत्तरप्रदेश का रहने वाला है जो फर्जी आई डी बनाकर रिबादिया धुरविल हर्षद भाई की जगह परीक्षा दे रहा था।

सिरसकला के पार्थिवी कॉलेज में रविवार को फोरन मेडिकल ग्रेजएट को परीक्षा का केंद्र दिया गया था। जहां परीक्षा में प्रवेश पत्र और अन्य दस्तावेज की जांच के दौरान एक अभ्यर्थी दूसरे को जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। जिसके बाद इस संबध में पार्थिवी कॉलेज की टीचर उपासना चंद्राकर ने पुरानी भिलाई थाना में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस परीक्षा केंद्र पहुंची और अनुचित साधन का इस्तेमाल कर परीक्षा देने वाले मुन्ना भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

आरोपी मनीष यादव ने पुछताछ में पुलिस को बताया कि अहमदाबाद गुजरात निवासी रिबादिया धुरविल कुमार हर्षद भाई के जगह परीक्षा देने के पैसे दिए गए थे और वहां उसकी जगह परीक्षा देने पहुंचा था। पुरानी भिलाई थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि आरोपी मनीष यादव को गिरफ्तार कर उसके खिलाफविभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

गाज गिरने से महिला की मौतः खेत में काम करते वक्त अचानक होने लगी थी बारिश

■ **एक अन्य महिला भी झुलसी, पहुंचाया गया अस्पताल**

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के रोगदा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना सोमवार शाम की है। महिला खेत में काम करने गई थी, इसी दौरान वो आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। वहीं एक अन्य महिला झुलस भी गई है, जिसका इलाज अस्पताल में कराया गया है। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, रोगदा गांव की रहने वाली महिला प्रिया सहिस (28 वर्ष) सोमवार को इच्छा राम कश्यप के खेत में निदाई का काम करने अपने 10 मजदूर साथियों के साथ गई हुई थी। इसी दौरान गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने लगी। बारिश होने पर सभी मजदूर घर जाने के लिए खेत से निकलने लगे, तभी आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आकर प्रिया और सरोजिनी सहिस (35 वर्ष) दोनों झुलस गए।

खेत में मौजूद अन्य मजदूर दोनों महिलाओं को इलाज के लिए नवागढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने प्रिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं सरोजिनी नाम की महिला का इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

गांववालों ने बताया कि मृतका के 2 बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। परिजनों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से उचित मुआवजे की भी मांग की है। पुलिस फिलहाल आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बता दें कि बारिश के मौसम में लगातार आकाशीय बिजली गिरने से प्रदेशभर में मौतों की खबर सामने आ रही है। अभी 2 दिन पहले जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र में बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई थी, वहीं अलग-अलग घटनाओं में 9 लोग घायल हो गए थे, वहीं 8 मवेशियों की भी मौत हुई थी।

सूने मकान से लाखों की चोरी, 28 तोला सोना व 4 लाख कैश पार

बिलासपुर। शहर के पॉश कॉलोनी में लाखों की चोरी की घटना से हड़कंप मच गया है। यहां के तीन मकानों में चोरों ने धावा बोला। कॉलोनी में रहने वाले कॉलेज के स्पोर्ट्स ऑफिसर के घर से 28 तोला सोना और चार लाख रुपए कैश पार कर दिया। चोरी की वारदात में शामिल चोर भी सीसी टीवी फुटेज में देखे जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि दो चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया है। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना उसलापुर-मंगला स्थित अलका एवेन्यू कॉलोनी की है। यहां रहने वाले डॉ. सुरेश सिंह पवार गर्ल्स डिग्री कॉलेज में स्पोर्ट्स ऑफिसर हैं। उनके पोते का जन्मदिन होने पर वे परिवार के साथ रायपुर गए थे। रविवार की रात को चोरों ने इनके घर पर धावा बोला। घर के लकड़ी के दरवाले का लॉक तोड़कर घर में घुसे। इससे पहले चोरों ने पत्थर मारकर कुत्ते को बेहोश किया था। इनकी यह हरकत सीसी टीवी फुटेज में देखी जा सकती है।

सोमवार की सुबह जब डॉ. सुरेश सिंह पवार अपने घर पहुंचे तो उन्हें चोरी का पता चला। पुलिस को उन्होंने बताया कि उनके दरवाजे का लॉक टूटा हुआ था और अंदर कमरों में सामान बिखरे पड़े थे। चोरों ने उनके घर से 28 तोला सोना और करीब 4 लाख रुपए नगदी पार कर दिया। पुलिस ने जब सीसी फुटेज जांचे तो दो बदमाश दिखाई दिए जो ईंट मार-मार कर कुत्ते को बेहोश करते दिखे। इस दौरान एक बदमाश ताला तोड़ रहा था।

सरकारी नौकरी के नाम पर युवक से 6 लाख की ठगी, रुपए मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

■ **टिकरापारा थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी के खिलाफ पहले भी दर्ज हो चुका है मामला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकारी नौकरी के लिए बेरोजगार युवक लाखों रुपये की जमा पूंजी दे दे रहे हैं। ताजा मामला रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र से सामने आया है। फूड इंस्पेक्टर और पटवारी की नौकरी के नाम पर छह लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है। पुलिस ने श्रवण कुमार कनौजिया पर धोखाधड़ी के तहत अपराध दर्ज किया है। इतना ही नहीं आरोपी पैसे लेने के बाद वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी है।

विज्ञापन दिखाकर दिया झांसा

श्रवण कुमार कनौजिया ने फरवरी 2022 में पटवारी पद पर शासकीय नौकरी का विज्ञापन दिखाया। इसके बाद कनौजिया ने नौकरी लगा देने का लालच दिया। श्रवण कुमार ने अशोक से नौकरी लगवाने के नाम पर तीन लाख रुपए की मांग की। अशोक शातिर श्रवण के झांसे में आ गया और उसके घर जाकर नकद तीन लाख रुपये दे दिए। जिसके 15 दिन बाद जब अशोक ने श्रणव से नौकरी के संबंध में पूछा तो उसने कहा न ही नौकरी लगेगी और न ही पैसे वापस करूंगा। इसके साथ उसने धमकाते हुए कहा, किसी से नहीं डरता। इतना ही नहीं उसने अशोक को धमकाते हुए कहा, ज्यादा बात की तो जान से मार दूंगा।

टिकरापारा थाने में अशोक कुमार देवांगन निवासी ग्राम सारागांव तिल्दा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। अशोक ने पुलिस को बताया कि मिथलेश देवांगन रिश्ते में भाई है। उसने रायपुर के रावतपुरा कालोनी मठपुरैना निवासी श्रवण कुमार कनौजिया से एक साल पहले मुलाकात कराया था।

आरोपी श्रवण कुमार के खिलाफ इससे पहले रावतपुरा कालोनी के टकेश्वर कुमार साहू ने भी नौकरी के नाम पर ठगी की शिकायत की थी। आरोपी ने टिकेश्वर को खाद्य विभाग में फूड इंस्पेक्टर के पद पर शासकीय नौकरी लगाने के नाम से तीन लाख रुपए नकद ले लिए। इस तरह आरोपी ने कुल छह लाख की धोखाधड़ी की है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में **श्रेणी-डी** एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण :- बेमेतरा जिले के विकासखंड **नवागढ़ एवं बेमेतरा** के विभिन्न ग्रामों में **जल जीवन मिशन** अंतर्गत एकल ग्राम नलजल योजनाओं के अंतर्गत **UPVC pipe 6kg/10kg** पाईप लाईन जोड़ने, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, बाउण्ड्रीवॉल, क्लोरीनेटर सिस्टम, क्लोरीनेटर रूम, इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन, सबमर्सिबल पंप, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि दिये गये शेड्यूल के अनुसार।

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत
1	142856	94	पौसरी एकल ग्राम (अमलडीहा समूह) नलजल योजना	**80.95**
2	142857	95	दयालपुर एकल ग्राम (अमलडीहा समूह) नलजल योजना	**59.05**
3	142858	96	मेड़की एकल ग्राम (अमलडीहा समूह) नलजल योजना	**75.06**
4	142859	97	कवराकांपा एकल ग्राम (अमलडीहा समूह) नलजल योजना	**79.47**
5	142860	98	खाम्ही एकल ग्राम नलजल योजना	**95.66**
6	142861	99	जुनवानीकला एकल ग्राम (अमलडीहा समूह) नलजल योजना	**62.67**
7	142862	100	चकलाकुण्डा एकल ग्राम (अमलडीहा समूह) नलजल योजना	**75.70**
8	142863	101	रवेली एकल ग्राम नलजल योजना	**87.60**

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 31.07.2023
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 16.08.2023

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** में दिनांक **31.07.2023** से देखे जा सकते है।

जी-03802/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

भिलाई से भेजी गई बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत

भिलाई। सामाजिक संस्था सोसाइटी फ़ॉर ब्राइट फ्यूचर (एसबीएफ) ने देश के विभिन्न हिस्सों में आई बाढ़ के प्रभावित लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर स्टूडेंट इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (एसआईओ) के साथ मिलकर सहायता राशि इकट्ठा की। इसमें तेलंगाना राज्य में 27 जुलाई को मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से वारंगल और मुलुगु सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से हैं, जहां यह मदद भेजी गई। बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन, कपड़े और दवाईया उपलब्ध कराने के अलावा अन्य मदद भी की जा रही है। सोसाइटी फ़ॉर ब्राइट फ्यूचर भिलाई इकाई के वसीम चौधरी, मसब, सैफ, वकार, ओबैद,शोबान,साजिद, शोएब और अल्ताफ सहित तमाम वालंटियर ने मोहर्रम के मौके पर मस्जिदो और मोहर्रम के जुलूस मे इन बाढ़ प्रभावित लोगो के लिये सहायता राशि हासिल की।

ऑनलाइन मानस संगोष्ठी में जुटे संत

दुर्ग। श्री राम कथा सत्संग ऑनलाइन मानस संगोष्ठी के संतों का ऑफ्लाइन संत समागम पावन पुरुषोत्तम मास में 29-30 जुलाई को कुशाभाऊ ठाकरे भवन,दुर्ग में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता नीलकंठ ठाकुर,बोरिद पाटन-दुर्ग,अतिथि वक्ता राम प्रपन्न दास भिण्ड मध्यप्रदेश व विशिष्ट अतिथि राजेश पाण्डेय कार्यपालन अभियंता,नगर निगम दुर्ग थे। आयोजन में देशभर के 200 संतजन सम्मिलित हुए। इस दौरान पं विनय द्विवेदी,गोविन्द जायसवाल,हरखन देशमुख,नरसिंह साहू,संगीता निषाद,पं राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,राजीव साहू,यशोदा साहू,पं योगेश्वर उपाध्याय,मनहरण वर्मा,चैतराम साहू आदि ने श्रीरामचरितमानस के विविध प्रसंगों पर कथा श्रवण कराया।

बीएसपी और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

भिलाई। नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की गरिमामयी उपस्थिति में भिलाई इस्पात संयंत्र और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किये गए। इस समझौते के अनुसार भिलाई इस्पात संयंत्र और एनआईटी रायपुर, आपसी सहयोग से अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं को साझा करने में, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करने में, छात्रों की इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए सहायता प्रदान करने में और आपसी हितों के आधार पर सेमिनार, सम्मेलन आयोजित करने जैसे आयोजन आदि करेंगे।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी भावभिनी विदाई

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों और खनिज नगरों में पदस्थ कुल 156 कर्मचारी अपनी लम्बी सेवा के बाद 31 जुलाई 2023 को सेवानिवृत्त हुए। संयंत्र के कार्मिकों हेतु गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन 31 जुलाई 2023 को सिविक सेंटर स्थित कला मंदिर में किया गया। जुलाई माह में बीएसपी से 15 कार्यपालक सहित कुल 156 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से जुलाई, 2023 माह में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालकों को विगत दिनों इस्पात भवन के निदेशक प्रभारी में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई।

विधायक देवेंद्र यादव की पहल पर तीन वार्डों में होंगे विकास कार्य, सीमेंटीकरण के साथ ही वाटर एटीएम भी लगेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के वार्ड वासियों को कई सौगातें दी है। वार्ड 38 सोनिया गांधी नगर रामहेपुर बस्ती और शास्त्री मार्केट में सीमेंटीकरण एवं वाटर एटीएम लगाया जाएगा। वार्ड 42 गौतम नगर कुष्ठ आश्रम में सीमेंटीकरण कार्य किया जाएगा और वार्ड 45 बालाजी नगर शिव मंदिर के समीप भवन का लोकार्पण किया गया।

जनता की मांग पर विधायक ने उन सभी विकास कार्य का भूमि पूजन किया साथ ही लोकार्पण भी किए। गौरतलब है कि भिलाई विधायक देवेंद्र यादव लगातार वार्ड के नागरिकों से भेंट मुलाकात कर जनता की समस्याओं को सुनते हैं और उनका समाधान करते हैं साथ में जनता की मांग पर वार्ड में विकास कार्य करवाते हैं। इसी कड़ी में कुछ दिनों पहले भेंट मुलाकात के दौरान विधायक देवेंद्र यादव से वार्ड के नागरिकों ने विभिन्न विकास कार्यों की मांग की थी। जिस पर पहल करते हुए विधायक ने विकास कार्य को स्वीकृत कराया और आज इनका भूमि पूजन किया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप विधायक देवेंद्र यादव के साथ महापौर नीरज पाल भी उपस्थित रहे। वार्ड के वरिष्ठ नागरिक व सम्मानित वार्ड वासी गण भी उपस्थित रहे। वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के हाथों से भूमि पूजन कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। पंडित ने विधि विधान के साथ मंत्रोच्चार का भूमि पूजन किया उसके बाद सभी ने मिलकर बारी बारी से कुदाली चलाई और विकास के लिए नींव खोदा। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि मैं जनता का सेवक हूं और जनता की सेवा ही मेरा धर्म है मैं लगातार लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझते हुए उनके समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास करता हूं । जो भी विकास कार्य किए जा रहे हैं और जनता की मांग पर किए जा रहे हैं।

जनता को सारी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास हम लगातार कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे । आज भिलाई में एक भी वार्ड या मोहल्ला ऐसा नहीं है जहां विकास ना हुआ हो हमारे कांग्रेस की सरकार ने जो वादे किए गए वह समय पर सभी को पूरा किया गया है।

लक्ष्मीनारायण वार्ड के शिवमंदिर में 108 किलो दूध से महादेव का रूद्राभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन के चौथे सोमवार को भिलाई के लक्ष्मीनारायण वार्ड 44 खुर्सीपार के शिव मंदिर में भव्य आयोजन किया गया। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा ये आयोजन किया गया। मंदिर में 108 किलो दूध, दही, घी, शहद और चंदन द्वारा महारुद्राभिषेक किया गया है। प्रमुख रूप से वार्ड के बुजुर्गों माताओं बहनो मातृशक्ति शामिल हुए।

शिवलिंग पर हुई फूलों की वर्षा

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति प्रदेश अध्यक्ष दया सिंह और एसएन सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष खुर्सीपार, आर्थिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव, महामंत्री सत्यम एवं मुकेश शर्मा कोषाध्यक्ष मनजीत सिंह द्वारा महारुद्राभिषेक किया गया।

इस दौरान शिवलिंग पर कई प्रकार फूलों से भी अभिषेक किया गया। गई एवं 1500 रुद्राक्ष अभिमंत्रित किया गया महाकाल से लाया गया था वो हर परिवार के सदस्यों को एक-एक रुद्राक्ष का वितरण किया गया है। 51 किलो मोतीचूर के लड्डू एवं खिचड़ी का महाप्रसाद का वितरण किया गया। हजारों भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान कान्हा महाराज द्वारा भोलेनाथ के लिए संगीतमय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पार्षद में लक्ष्मी दिवाकर, ईश्वरी नेताम, शकुंतला साहू, गिरजा बंछोर, वीणा चंद्राकर, सरिता बघेल, शैलजा राजू साथ हजारों भक्त मौजूद रहें। सब ने महाप्रसाद का आनंद लिया। दया सिंह ने कहा कि, अभी आने वाले समय में 4 अलग-अलग मंदिरों में भी इसी तरह महारुद्राभिषेक और रुद्राक्ष एवं महाप्रसाद बटेगा। अगले सोमवार को छावनी खुर्सीपार शिव मंदिर में आयोजन होगा।

बीएसपी ने एक दिन में 10,000 टन प्लेट प्रेषण का बनाया रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल ने अपने 40 वर्षों के इतिहास में पहली बार शनिवार, 29 जुलाई 2023 को एक ही दिन में 10,000 टन से भी अधिक प्लेटों के प्रेषण का अनूठा रिकॉर्ड दर्ज कर कीर्तिमान स्थापित किया है।

राजस्व उत्पन्न करने के लिए प्रेषण महत्वपूर्ण तत्व है। बाजार की गतिशीलता के वर्तमान परिदृश्य के मद्देनजर, यह रिकॉर्ड केवल तभी संभव हो सका जब उत्कृष्ट माइक्रोप्लानिंग और समन्वय के साथ प्लेट मिल, टी एंड डी, पीपीसी, आरसीएल, सीएमओ जैसे विभिन्न विभागों की टीमों और रेलवे ने और समय पर निष्पादन किया। हालाँकि यह एक कठिन कार्य था, लेकिन टीम ने इस अवसर का फायदा उठाया और पांच अंकों का प्रेषण आंकड़ा दर्ज किया। संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने इस उपलब्धि के लिए टीम को बधाई प्रेषित की है। इस अवसर पर, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने प्लेट मिल शिपिंग में आकर मिठाई वितरित की और सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य था और हमें उम्मीद है कि भविष्य में ऐसी कई चुनौतियों का सामना करने के लिए हम सब तैयार हैं। मुख्य महाप्रबंधक आर के बिसारे ने टीम प्लेट मिल की ओर से आश्वासन दिया कि हमारी टीम तैयार है और हम अपना प्रदर्शन बनाए रखेंगे और इसके लिए निरंतर मेहनत करेंगे। प्लेट मिल शिपिंग टीम के सदस्यों में प्लेट मिल एवं आरसीएल के नेतृत्व में आर सुधीर, टी एंड डी के नेतृत्व में जी मलिक, तुषारकांत, एसआरएम और तन्मय सेन, महाप्रबंधक सेल्स एवं सीएमओ भी उपस्थित थे।

मेयर व आयुक्त ने विकास कार्यो में लेटलतीफी को लेकर ठेकेदारों को लगाई फटकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम द्वारा शहर में कराए जा रहे अपूर्ण विकास कार्यों में तेजी लाने और नए कार्यों की शुरूआत जल्द किये जाने को लेकर शहर विधायक अरुण वोरा के निर्देश पर आपात बैठक सोमवार को मेयर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ विकास कार्यों को लेकर बैठक करते हुए कार्य योजना बनाई।

जिसमे लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी,संजय कोहले, दीपक साहू,मनदीप सिंह भाटिया, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,आरके पाण्डे,भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी,जितेंद्र समैया, संजय ठाकुर और ठेकेदार मौजूद रहें।इस दौरान मेयर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बैठक में सभी अधिकारियों व ठेकेदारों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मेयर ने विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा। मेयर व आयुक्त ने निगम अधिकारियों से शहर वासियों की सुविधा को

दृष्टिगत रखते हुए विकास कार्यों पर विभागवार चर्चा की। शहर में बचे हुए जितने भी सीसी सड़क, नाली,पेवर ब्लाक,नाला व अन्य मरम्मत के लिए प्राथमिकता पर कार्य कराने के निर्देश दिए। उहोने कहा कि वर्क आर्डर के बाद भी काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों को काम नही दिया जाएगा।मेयर व आयुक्त ने जिन ठेकेदारों के द्वारा समय पर काम नही किया है निर्माण कार्य मे देरी की है को लेकर नाराजगी जताई।उन्होंने कहा कि रुके हुए कार्यो को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।आयुक्त ने ठेकेदारों से कहा कार्य पूर्ण होने पर यूसी प्रस्तुत करें।अच्छे कार्य व समय सीमा पर कार्य करने वाले ठेकेदारों को 15वे वृत्त के कार्यो पर प्राथमिकता दिया जाएगा।

स्कूलों की दशा सुधारने की पहलः रिसाली के 17 स्कूलों में 2 करोड़ की लागत से अतिरिक्त कक्ष निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक व लोक निर्माण, गृह और कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने अच्छी पहल की है। उन्होंने प्रयास कर 2 करोड़ 2 लाख 90 हजार की राशि स्वीकृति कराई है। इस राशि से जर्जर हो चुके कक्ष की जगह अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया जाएगा।

आयुक्त आशीष देवांगन ने बताया कि नगर पालिक निगम क्षेत्र के टाउनशिप समेत श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में शासकीय स्कूल संचालित है। कई स्कूल भवन दो दशक से पहले के बने है। वर्तमान में कई कक्ष जर्जर अवस्था में पहुंच गए है। वहीं कहीं दर्ज संख्या अधिक होने की वजह से जगह का अभाव है। क्षेत्रीय विधायक व मंत्री के निर्देश पर ऐसे स्कूलों की सूचीबद्ध किया गया है। प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था। आयुक्त ने बताया कि मंत्री के निर्देश पर निर्माण कार्य आरंभ कराया जा रहा है। अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य पूर्ण होने पर सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार होगा।

इन स्कूलों में बनेगा कक्ष

रूआबांधा दक्षिण शा.प्रा.शाला में 3 अतिरिक्त कक्ष 8.75 लाख, मरोदा सेक्टर पश्चिम में शा. पूर्व मा. शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण 13.70 लाख, मरोदा सेक्टर पश्चिम शा. उच्च. मा. शाला में 15.25 लाख, शंकर पारा स्टेशन मरोदा में 8.75 लाख, शंकर पारा स्टेशन मरोदा शा.मा.शाला में 13.70 लाख, नेवई बस्ती पूर्व शा. प्रा. शाला नेवई बस्ती में 8.75 लाख, नेवई बस्ती शा. पूर्व मा. शाला में 13.70 लाख, डुंडेरा पूर्व शा. प्रा. शाला में 8.75 लाख, डुंडेरा पूर्व शा. मा. शाला में 13.70 लाख, डुंडेरा पूर्व शा. उच्च. मा. शाला में 15.25 लाख, जोरातराई शा. प्रा. शाला में 8.75 लाख, जोरातराई शा. मा. शाला में 13.70 लाख, पुरैना शा. प्रा. शाला स्टोर पारा में 8.75 लाख, शा. मा. शाला स्टोरा पारा में 13.70 लाख, शा. प्रा. शाला पुरैना बस्ती में 8.75 लाख, शा. मा. शाला पुरैना बस्ती में 13.70 लाख, शा. उच्च. मा. शाला पुरैना बस्ती में 15.25 लाख से अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया जाएगा।

पदाधिकारियों व सदस्यों ने मनाया जश्न, मिटाई बांटकर मनाई खुशी

सेवानिवृत्त होने पर अखिल भारतीय तेलुगु सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष को दी शानदार विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। तेलुगु कम्युनिटी वेलफेयर एसोसिएशन से संबद्ध अखिल भारतीय तेलुगु सेना के छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष पीवी राव 31 जुलाई को अपनी दीर्घकालिक सेवा से निवृत्त हुए। उनकी सेवा निवृत्ति को अखिल भारतीय तेलुगु सेना के पदाधिकारियों व सदस्यों ने समारोह पूर्वक मनाया। पीवी राव के रिटायर होने पर तेलुगू सेना ने समारोह पूर्वक उन्हें विदाई दी। गाजे-बाजे के साथ बीएसपी मेन गेट से उनके निवास तक जुलूस निकाला गया। जुलूस में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के अलावा यूनियन के पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

बता दें पीवी राव आंध्र साहित्य समिति के अध्यक्ष व अखिल भारतीय तेलुगू सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष होने के साथ ही ट्रेड यूनियन के विशेष आमंत्रित सदस्य तथा प्रदेश में इंटक के वरिष्ठ सचिव भी हैं। पीवी राव ने भिलाई इस्पात संयंत्र में पैंतीस वर्षों तक अपनी सेवाएं दी और इस दौरान ट्रेड यूनियन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 31 जुलाई को वे अपनी लंबी सेवा के बाद रिटायर हुए। इस विशेष अवसर को और खास बनाने के लिए अखिल भारतीय तेलुगु सेना के प्रदेश अध्यक्ष नीलम चन्ना केशवुलु ने समारोह का आयोजन किया।

नीलम चन्ना केशवुलु की अगुवाई में तेलुगू सेना के अन्य पदाधिकारी व सदस्यों ने गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाला। पीवी राव का शॉल, श्रीफल और पुष्पमाला से अभिनंदन किया गया।

यूनियन तथा सामाजिक स्तर पर दिए गए उनके योगदान का स्मरण कर सराहना की। पीवी राव को विदाई देते हुए सेना ने मिठाई भी बांटी। विदाई समारोह में तेलुगु सेना के सह सचिव लक्ष्मी नारायण जिलाध्यक्ष डी मोहन राव, उपाध्यक्ष शामिल हुए। पद्म किशोर एवं नागेश्वर राव, मीडिया प्रभारी टी सहदेव, इंटक के प्रदेश महासचिव संजय साहू, वरिष्ठ सचिव, गुरुदेव साहू, कार्यकारिणी सदस्य अनिल पारखे, बीएसपी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष उज्ज्वल दत्ता कार्यकारी महासचिव शिव बहादुर सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बीएसएफ की नेक पहल

सेक्टर-9 में लगाए 1000 से ज्यादा पौधे आईजी इंदराज सिंह भी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीमा सुरक्षा बल द्वारा शुक्रवार को पर्यावरण सरंक्षण के लिए नेक पहल की। बीएसएफ सीमान्त मुख्यालय (विशेष संक्रिया) भिलाई छत्तीसगढ़ के महानिरीक्षक इंदराज सिंह की अगुवाई में वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया। इस दौरान सेक्टर-9 में 1075 फलदार एवं छायादार पौधे लगाये गए। इस अभियान में सीमा सुरक्षा बल के साथ साथ सेल्यूट तिरंगा संघ, छत्तीसगढ एवं पर्यावरण मित्र डिविजन भिलाई ने भी भाग लिया। बता दें सीमा सुरक्षा बल नक्सल अभियान के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी कृत संकल्प है। सीमा सुरक्षा बल हर साल बरसात के मौसम में अपने आसपास के इलाके में वृक्षारोपण का कार्य करती है। इस वर्ष सीमान्त मुख्यालय एवं इसके अन्तर्गत कार्य करने वाली बटालियनों द्वारा 1,43,000 पौधरोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। पौधरोपण कार्यक्रम के बाद आईजी इंदराज सिंह, कहा कि वन एवं पर्यावरण हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है, उन्हें संरक्षित रखना हमारा परम कर्तव्य है। सभी को इसके लिए बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए तथा सभी को अपने आस-पास ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाकर धरा को समृध्द बनाना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950